website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 212 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 11 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

जयपुर में ट्रैफिक कम करने को रेलवे स्टेशन पर ओवरब्रिज समेत 18 विकास कार्य होंगे, 526 करोड़ खर्च होंगे

जयपुर। जयपुर में ट्रैफिक और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) ने 526 करोड़ रुपये की लागत से 18 बड़े विकास कार्यों को मंजूरी दी है। इनमें सबसे अहम काम जयपुर रेलवे स्टेशन पर तीन लेन का ओवरब्रिज बनाना है, जो बनी पार्क राम मंदिर से हसनपुर चौराहे तक बनेगा। इसके अलावा, टोंक रोड को जेएलएन मार्ग से जोड़ने वाली दैनिक भास्कर पुलिया को चौड़ा किया जाएगा ताकि ट्रैफिक का दबाव कम हो सके।

गोविंद देवजी मंदिर परिसर में पर्यटन विकास के लिए 5.5 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में कॉलोनियों की सड़कों की मरम्मत, इस्कॉन मंदिर रोड पर स्टील रेलिंग और इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने, पत्रकार रोड से गोपालपुरा बाईपास तक सड़क नवीनीकरण जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

इसके अलावा, जोन 4, 8, 9, 11 और 12 में सेक्टर रोड और कॉलोनियों की सड़कों का निर्माण और मरम्मत होगी। नॉलेज सिटी में विद्युतीकरण और आईटी लाइनों को शिफ्ट करने का काम भी इस योजना में शामिल है। JDA का दावा है कि इन कार्यों से जयपुर में ट्रैफिक कम होगा और लोगों को सड़क और बिजली की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

राजस्थान में RGHS योजना पर संकट

-15 जुलाई से निजी अस्पतालों में इलाज बंद करने की चेतावनी, 980 करोड़ का भुगतान अटका

जयपुर। राजस्थान में RGHS (राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) को लेकर संकट गहरा गया है। निजी अस्पतालों की यूनियन RAHA ने अखबार में विज्ञापन देकर 15 जुलाई से RGHS के तहत इलाज बंद करने की चेतावनी दी है। यूनियन का कहना है कि 701 निजी अस्पतालों को पिछले 7 महीने से करीब 980 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे भाजपा सरकार की नाकामी बताया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के वेतन से हर महीने RGHS के लिए कटौती होती है, लेकिन भुगतान नहीं होने से लाखों कर्मचारियों और पेंशनर्स के परिवार परेशान होंगे। उन्होंने सरकार से तत्काल समाधान निकालने की मांग की है।

उधर, सरकार ने फर्जी बिल रोकने के लिए क्यूसीपीए सेल से बिना मंजूरी वाले बिलों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए हैं। इस सेल ने पिछले महीनों में एआई तकनीक से कई फर्जी बिल पकड़कर अस्पतालों और मेडिकल स्टोर्स पर कार्रवाई भी की है। RAHA ने योजना के बेहतर संचालन के लिए सात सदस्यों की कमेटी बनाकर सरकार से बातचीत की पेशकश की है।

महाराष्ट्र के ठाणे में स्कूल में बच्चियों के कपड़े उतरवाकर पीरियड्स की जांच, प्रिंसिपल हिरासत में

-प्राइवेट स्कूल में कक्षा 5 से 10 तक की बच्चियों के कपड़े उतरवाकर पीरियड्स की जांच की

महाराष्ट्र । महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा 5 से 10 तक की बच्चियों के कपड़े उतरवाकर पीरियड्स की जांच करने का मामला सामने आया है। स्कूल के टॉयलेट में खून के धब्बे मिलने के बाद सभी बच्चियों को हॉल में बुलाकर प्रोजेक्टर पर तस्वीरें दिखाई गईं और उनसे पूछा गया कि किसे पीरियड्स हैं। जिन बच्चियों ने मना किया, उन्हें टॉयलेट में ले जाकर कपड़े उतरवाकर जांच की गई।

बच्चियों ने यह बात घर बताई तो परिजनों ने स्कूल के बाहर हंगामा किया और प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रिंसिपल को हिरासत में ले लिया और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

इस घटना ने स्कूलों में लड़कियों के साथ होने वाले व्यवहार और मेंस्ट्रुअल हेल्थ को लेकर जागरूकता की कमी की गंभीरता को फिर उजागर किया है। UNICEF की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हर साल करोड़ों लड़कियां पीरियड्स शुरू होने पर स्कूल छोड़ देती हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और भविष्य दोनों पर असर पड़ता है।

दिल्ली-NCR में तेज बारिश से सड़कों पर जलभराव

- 6 फ्लाइट डायवर्ट; गुरुग्राम में 90 मिनट में 103 मिमी बारिश

दिल्ली। दिल्ली-NCR में तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। बुधवार को खराब मौसम के कारण 6 फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ीं, जिनमें 4 फ्लाइट जयपुर और 2 फ्लाइट लखनऊ भेजी गईं। कई उड़ानें देरी से चलीं।

बारिश के कारण दिल्ली और गुरुग्राम की सड़कों पर पानी भर गया, जिससे कई जगह ट्रैफिक जाम लग गया। गुरुग्राम में बुधवार शाम 90 मिनट में 103 मिमी बारिश हुई, जबकि 12 घंटे में 133 मिमी बारिश दर्ज की गई। जलभराव से सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए और गाड़ियों का पानी में फंसना शुरू हो गया। जिला प्रशासन ने कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है।

इधर, मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में नदी में बहने से 3 बच्चों की मौत हो गई, वहीं हरियाणा के कैथल में तालाब में नहाने गए 3 बच्चों की डूबने से मौत हुई। महाराष्ट्र के नागपुर में भी तेज बारिश के कारण 71 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है और सभी स्कूल 9 जुलाई तक बंद कर दिए गए हैं।

जजों पर टिप्पणी मामले में विकास दिव्यकीर्ति को अजमेर कोर्ट का नोटिस

-22 जुलाई को पेश होने का आदेश; जानिए पूरा मामला

अजमेर। दृष्टि IAS कोचिंग संस्थान के संचालक विकास दिव्यकीर्ति की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अजमेर की न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 की कोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी कर 22 जुलाई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। यह मामला उनके यूट्यूब वीडियो 'IAS वर्सेज जज- कौन ज्यादा ताकतवर' में न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणी से जुड़ा है।

क्या है मामला?

वकील कमलेश मंडोलिया ने कोर्ट में शिकायत दाखिल कर कहा कि विकास दिव्यकीर्ति ने अपने वीडियो में कहा कि IAS जज से ज्यादा पावरफुल होते हैं और न्यायपालिका को लेकर व्यंग्यात्मक और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी पूरे न्यायिक परिवार की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है और इससे न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

कोर्ट में क्या हुआ?

मंगलवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट मनमोहन चंदेल की कोर्ट में बहस पूरी हुई। इसके बाद 40 पन्नों के आदेश में कोर्ट ने मानहानि के इस केस को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया और विकास दिव्यकीर्ति को नोटिस जारी कर 22 जुलाई को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया।

शिकायतकर्ता का पक्ष

शिकायतकर्ता के वकील अशोक सिंह रावत ने बताया कि दिव्यकीर्ति द्वारा वीडियो में कही गई बातें न्यायपालिका के प्रति असम्मानजनक हैं।

वीडियो में उन्होंने न्यायिक अधिकारियों की तुलना में IAS अधिकारियों को ज्यादा शक्तिशाली बताते हुए जजों की छवि को धूमिल किया है। यह न्यायपालिका और उसके अधिकारियों के सम्मान पर सीधा हमला है, जिसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जरूरी थी।

वीडियो पर कैसे हुआ विवाद?

विवाद दिव्यकीर्ति के यूट्यूब शो 'IAS वर्सेज जज- कौन ज्यादा ताकतवर' से शुरू हुआ।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने IAS अधिकारियों को पावरफुल बताया। इसके बाद वकीलों और न्यायिक अधिकारियों ने आपत्ति जताई और इसे न्यायपालिका की अवमानना बताते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता के निधन पर जोधपुर में शोकसभा

जोधपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव के निधन पर जोधपुर में शोकसभा आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अर्जुनराम मेघवाल, जोगाराम पटेल सहित कई मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

दाऊलाल वैष्णव का मंगलवार सुबह जोधपुर एम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया था। वे मूल रूप से पाली जिले के जीवंद कला के निवासी थे और लंबे समय से जोधपुर में रह रहे थे। मंगलवार शाम नागौरी गेट कागा क्षेत्र स्थित वैष्णव समाज के श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। अश्विनी वैष्णव ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। शोकसभा में स्थानीय नेताओं और समाज के लोगों ने भी पहुंचकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

गुजरात महिसागर पुल हादसे में 18 की मौत, 2 लापता

-4 इंजीनियर सस्पेंड, लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए

गुजरात। गुजरात में वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाला 45 साल पुराना महिसागर नदी का पुल बुधवार को चलते ट्रैफिक के दौरान टूट गया। हादसे में अब तक 18 लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि 2 लोग अब भी लापता हैं। हादसे में दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा नदी में गिर गए थे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने लापरवाही के चलते सड़क एवं भवन विभाग के चार इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया है।

यह पुल दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता था। पुल टूटने से भरूच, सूरत, नवसारी और वलसाड से सौराष्ट्र पहुंचने का रास्ता बंद हो गया है और अब अहमदाबाद होकर जाना होगा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल की हालत खराब होने की शिकायत कई बार की गई थी, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई। 2015 में पुल की बेयरिंग बदली गई थी, पर उसके बाद भी हालात नहीं सुधरे। हादसे में बचे लोगों ने बताया कि अचानक पुल ढह गया और वह बाइक समेत नदी में गिर गए। स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान चलाया, लेकिन प्रशासन की मदद देर से पहुंची। इस हादसे ने प्रशासन की लापरवाही और पुरानी अधूरी मरम्मत योजनाओं की पोल खोल दी है।

भारतीय नौसेना पहले स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत - 'निस्तार' को बेड़े में शामिल करेगी

दिल्ली। भारतीय नौसेना 18 जुलाई, 2025 को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में विशेष श्रेणी के पहले गोताखोरी सहायता पोत (डीएसवी) निस्तार को कमीशन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस अवसर पर माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम इस पोत को औपचारिक रूप से शामिल करने का प्रतीक है, जिसे विशाखापत्तनम के मेसर्स हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और तैयार किया गया है। जलावतरण के बाद यह जहाज गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल हो जाएगा।

यह पोत रक्षा उत्पादन में स्वायत्तता और आत्मनिर्भरता पर अटूट ध्यान देने के माध्यम से राष्ट्र निर्माण पर भारत सरकार के दृढ़ विश्वास का प्रमाण है। इस महत्वाकांक्षी, अद्वितीय और अत्याधुनिक पोत के निर्माण में कुल 120 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों ने भाग लिया है, जिसमें 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। यह परियोजना जटिल स्वदेशी जहाजों के डिजाइन और निर्माण के भारतीय नौसेना के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

निस्तार अपने पूर्व अवतार में एक पनडुब्बी बचाव पोत था, जिसे भारतीय नौसेना ने 1969 में तत्कालीन सोवियत संघ से प्राप्त किया था और 1971 में कमीशन किया गया था। इसने दो दशकों की सेवा में भारतीय नौसेना के गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस जहाज के सेवारत होने के साथ ही निस्तार की विरासत आगे बढ़ती रहेगी, इसका आदर्श वाक्य 'सुरक्षित यथार्थ शौर्यम्' है, जिसका अर्थ है 'सटीकता एवं बहादुरी के साथ बचाव', और यह जहाज की मुख्य भूमिकाओं को सटीकता के साथ दर्शाता है।

गोताखोरी सहायता पोत में लगभग 120 मीटर की लंबाई और 10,000 टन से अधिक भार विस्थापन के साथ डायनामिक पोजिशनिंग सिस्टम का उपयोग करके अत्यधिक विशुद्धता के साथ अपनी स्थिति बनाए रखने की क्षमता है। इस जहाज पर विशाल डाइविंग कॉम्प्लेक्स मौजूद है, जिसमें एयर एंड सैचुरेशन डाइविंग सिस्टम भी है, साथ ही पानी के अंदर रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स (आरओवी) और साइड स्कैन सोनार भी लगाया गया है, जो जहाज के परिचालन क्षेत्र को काफी हद तक बढ़ाता है। इस पोत को गहरे जलमग्न बचाव वाहन (डीआरवी) के लिए 'मदर शिप' के रूप में शामिल करने से भारतीय नौसेना की पनडुब्बी बचाव तैयारियों में एक बड़ी क्षमता वृद्धि होगी।

इस जहाज में ऑपरेशन थियेटर, गहन चिकित्सा इकाई, आठ बिस्तरों वाला अस्पताल और हाइपरबेरिक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जो इसकी परिचालन भूमिकाओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत में समुद्र के अंदर 60 दिनों से अधिक समय तक टिके रहने की क्षमता, हेलीकॉप्टर के माध्यम से परिचालन करने की सुविधा है और 15 टन का समुद्री क्रेन इस जहाज को एक बहुत ही सहायक बहुमुखी प्लेटफार्म बनाते हैं।

निस्तार के जलावतरण और भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसेना कमान में इसके शामिल होने से न केवल समुद्र के भीतर भारत की सैन्य ताकत बढ़ेगी, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी सामरिक समुद्री स्थिति भी पहले से कहीं अधिक सशक्त होगी।

इंस्टाग्राम पर बिना अनुमति महिलाओं की वीडियो अपलोड करने वाला युवक बेंगलुरु में गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में 26 साल के गुरदीप सिंह को बिना अनुमति महिलाओं की वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह 'इंडिया वॉक 1 केएम' नाम से इंस्टाग्राम पेज चलाता था, जिसमें महिलाओं की सड़कों पर चलते समय चोरी-छिपे बनाई गई वीडियो पोस्ट की जाती थीं। पेज खुद को ट्रैवल और स्ट्रीट फैशन से जुड़ा बताता था, लेकिन कई वीडियो में महिलाएं असहज दिख रही थीं।

मामला तब सामने आया जब एक कॉलेज छात्रा ने खुद का वीडियो इस अकाउंट पर देखा, जिसे बिना अनुमति शूट कर पोस्ट किया गया था। इसके बाद उसे सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक मैसेज आने लगे। छात्रा ने Reddit पर वीडियो शेयर कर मदद की गुहार लगाई, जिसके बाद हजारों लोगों ने इंस्टाग्राम अकाउंट को रिपोर्ट कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गुरदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

इससे पहले भी मई में ऐसा ही मामला सामने आया था, जब मेट्रो में चोरी-छिपे महिलाओं की वीडियो बनाकर पोस्ट करने वाले युवक को बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

अमरनाथ यात्रा में अब तक 1.28 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

अमरनाथ। अमरनाथ यात्रा के सातवें दिन 18,633 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। अब तक यात्रा के शुरुआती हफ्ते में 1.28 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई है और 9 अगस्त तक चलेगी।

पहलगाम में श्रद्धालुओं ने छड़ी मुबारक की पूजा की, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। श्रद्धालुओं की वापसी के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है। अब तक यात्रा के लिए चार लाख से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

पहले दिन 12,348, दूसरे दिन 14,515, तीसरे दिन 21,109, चौथे दिन 21,512 और पांचवें दिन 23,857 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। यात्रा शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से चल रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत में प्रबोधन और पेरियार ललई सिंह का चिंतन: तर्क, समानता और इन्साफ की राह

भारत में प्रबोधन (Enlightenment) की प्रक्रिया बहुत लंबे समय से चल रही है, जिसमें समाज को अंधविश्वास, जातिवाद और गैर-बराबरी से निकालकर तर्क, समानता और इन्साफ की ओर ले जाने की कोशिशें होती रही हैं। यूरोप में जहां प्रबोधन ने धर्म और तानाशाही के खिलाफ आवाज़ उठाई, वहीं भारत में इसका रूप जातिवाद, पितृसत्ता और अंधश्रद्धा के खिलाफ लड़ाई के तौर पर सामने आया। इस प्रक्रिया में राजा राममोहन राय, फातिमा शेख, ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, बाबा साहब अंबेडकर, पेरियार ई. वी. रामासामी और पेरियार ललई सिंह जैसे लोगों ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन लोगों ने समाज को बराबरी और इन्साफ की ओर ले जाने के लिए संघर्ष किया और जाति व्यवस्था की जड़ों को हिलाने का काम किया। पेरियार ललई सिंह का जन्म 1920 में उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में हुआ था। वह अंबेडकर और पेरियार ई. वी. रामासामी के विचारों से प्रभावित थे और उन्होंने उत्तर भारत में पेरियार के विचारों का प्रचार-प्रसार किया। पेरियार ललई सिंह ने "मनुस्मृति" और ब्राह्मणवाद का विरोध करते हुए समाज में फैली जातिवादी कुरीतियों को चुनौती दी। उन्होंने हिंदी पट्टी में पेरियार के 'समानता, तर्कवाद और नारी मुक्ति' के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने अपने भाषणों और लेखों में स्पष्ट कहा कि जब तक समाज में जाति बनी रहेगी, तब तक इंसानियत और बराबरी की बात बेमानी है। उनका मानना था कि ब्राह्मणवाद ने हजारों सालों से समाज में मानसिक गुलामी पैदा की है और इस गुलामी को तोड़ने का एक ही तरीका है कि लोग अपने अधिकारों को समझें, शिक्षा लें और अपने अधिकारों के लिए लड़ें। ललई सिंह ने 'सच्ची रामायण' और 'मनुस्मृति का जलना' जैसी किताबों का हिंदी में प्रकाशन करवाया ताकि लोग समझ सकें कि कैसे धर्म के नाम पर सामाजिक भेदभाव कायम रखा गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई किताब किसी इंसान को अपमानित करती है तो ऐसी किताब को जलाना इंसानियत की हिफाजत करना है। उन्होंने कई आंदोलनों का नेतृत्व किया, जेल गए, परंतु अपने रास्ते से कभी पीछे नहीं हटे। उन्होंने भारतीय संविधान को सामाजिक न्याय का आधार मानते हुए कहा था कि बाबा साहब ने हमें जो अधिकार दिए हैं, उन्हें बचाने और लागू करवाने के लिए हमें निरंतर संघर्ष करना होगा। पेरियार ललई सिंह का चिंतन तर्क, विवेक और मानवता पर आधारित था। उनका मानना था कि धर्म और जाति के नाम पर इंसान को बांटकर रखा गया और असली प्रबोधन तभी संभव है जब इंसान इन बंधनों को तोड़कर अपने विवेक का इस्तेमाल करना सीखे। उन्होंने समाज में व्याप्त पाखंड, मूर्ति पूजा और कर्मकांडों के खिलाफ बोलते हुए कहा था कि ईश्वर का डर इंसान की सबसे बड़ी बेड़ियां हैं और जब तक इंसान इस डर को नहीं तोड़ेगा, तब तक वह आज़ाद नहीं हो सकता। उनका यह चिंतन पूरी तरह पेरियार ई. वी. रामासामी की विचारधारा से जुड़ा हुआ था, जिसमें कहा गया था कि समाज को तर्क के आधार पर बदलना होगा और भेदभाव को खत्म करने के लिए शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है। पेरियार ललई सिंह ने अपने जीवन में दलितों, पिछड़ों और महिलाओं के अधिकारों की आवाज़ उठाई। उन्होंने बार-बार यह कहा कि आरक्षण सिर्फ एक सुविधा नहीं बल्कि ऐतिहासिक अन्याय के खिलाफ न्याय का रास्ता है।

अक्सर आंबेडकर की मूर्तियों को ही क्यों तोड़ा जाता है? जाति, सत्ता और विरोध का सच

भारत की सड़कें, चौराहे, गलियां और गांवों के नुक्कड़ नीले रंग की एक मूर्ति से पहचाने जा सकते हैं। यह मूर्ति डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की होती है, जिनके हाथ में संविधान की किताब होती है, और ऊंगली आसमान की ओर उठी होती है। आंबेडकर की ये मूर्तियां सिर्फ पत्थर और सीमेंट का टुकड़ा नहीं हैं, बल्कि करोड़ों दलितों, शोषितों और पिछड़ों के आत्मसम्मान और उनके अधिकारों की निशानी हैं। लेकिन यह भी सच है कि हर कुछ महीनों में कहीं न कहीं से यह खबर आती है कि आंबेडकर की मूर्ति को तोड़ दिया गया है, उसकी ऊंगली या चश्मा तोड़ दिया गया है, मूर्ति को काले रंग से पोत दिया गया है या उसे अपमानित किया गया है। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्यों सिर्फ आंबेडकर की मूर्तियां इस तरह बार-बार तोड़ी जाती हैं? इस सवाल का जवाब हमें भारत की जातीय संरचना, ब्राह्मणवादी सोच और आंबेडकर के विचारों की ताकत में छिपा हुआ मिलता है।

1 आंबेडकर ने जातिव्यवस्था को सीधी चुनौती दी थी

आंबेडकर सिर्फ दलितों के नेता नहीं थे, बल्कि उन्होंने पूरी जातिव्यवस्था की जड़ों को हिलाया था। उन्होंने 'मनुस्मृति' को सार्वजनिक रूप से जलाया और ब्राह्मणवादी व्यवस्था को चुनौती दी। जब आंबेडकर ने कहा कि "मैं हिन्द पैदा हुआ, यह मेरे बस में नहीं था, लेकिन मैं हिन्द रहूंगा नहीं, यह मेरे बस में है" और बौद्ध धर्म अपना लिया, तो उन्होंने हिन्द धर्म के जातिगत अन्याय को चुनौती दी। आंबेडकर की मूर्तियां इस चुनौती का प्रतीक हैं। जब कोई आंबेडकर की मूर्ति देखता है, तो उसे याद आता है कि यह मूर्ति उस व्यक्ति की है जिसने हजारों साल पुराने जातिगत अन्याय के ढांचे पर सवाल उठाया था। जिन लोगों ने जाति व्यवस्था से विशेष लाभ उठाया है, उन्हें यह मूर्तियां आंखों में चुभती हैं। इसीलिए, मूर्तियों को तोड़कर वे आंबेडकर के विचारों और उनके अनुयायियों का मनोबल तोड़ना चाहते हैं।

2 दलित चेतना और राजनीतिक पहचान का प्रतीक

आंबेडकर की मूर्तियां दलित समाज के लिए सिर्फ सम्मान नहीं, बल्कि राजनीतिक पहचान और आत्मसम्मान का प्रतीक बन गई हैं। जब कोई दलित बस्ती में मूर्ति लगती है, तो वह वहां के लोगों को याद दिलाती है कि वे अधिकारों के लिए खड़े हो सकते हैं। मूर्ति तोड़ना उन समुदायों को संदेश देना होता है कि "तुम्हारी औकात अभी भी वही है, और तुम्हारे प्रतीक सुरक्षित नहीं हैं।" यह डर पैदा करने की राजनीति का हिस्सा है ताकि दलित समाज संगठित न हो सके।

3 सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष

अक्सर चुनावी समय में, या जब किसी क्षेत्र में सामाजिक तनाव की स्थिति होती है, तब आंबेडकर की मूर्तियों को तोड़ा जाता है ताकि दंगे भड़क सकें। कई बार ऐसी घटनाएं योजनाबद्ध तरीके से करवाई जाती हैं ताकि दलित समुदाय उग्र हो जाए, और उसके जवाब में हिंसा फैल जाए। इसके पीछे राजनीतिक लाभ लेने की मंशा भी होती है। मूर्ति तोड़ना सिर्फ मूर्ति तोड़ना नहीं है, यह समाज में विभाजन और दंगे फैलाने की साजिश भी होती है।

4 ब्राह्मणवादी मानसिकता का विरोध

भारत में आज भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो आंबेडकर को 'दलित नेता' कहकर छोटा करने की कोशिश करता है। वे नहीं चाहते कि आंबेडकर के विचार और उनका योगदान समानता और न्याय के लिए एक प्रेरणा बने। मूर्तियां तोड़कर वे यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि आंबेडकर का विरोध आज भी जिंदा है। जब आंबेडकर ने कहा था कि "जाति व्यवस्था खत्म किए बिना लोकतंत्र सिर्फ एक दिखावा होगा," तब उन्होंने भविष्य की कई समस्याओं की तरफ इशारा किया था। आज भी यह मानसिकता आंबेडकर के विचारों को चुनौती मानती है और उनके प्रतीकों पर हमला करती है।

5 मूर्तियों का तोड़ा जाना सत्ता संरचना पर हमला

आंबेडकर की मूर्तियां तोड़ना उनके विचारों पर हमला है, और यह हमला इस बात को साबित करता है कि उनके विचार आज भी सत्ता की जड़ों को हिलाते हैं। यह मूर्तियां सिर्फ पत्थर की मूर्तियां नहीं हैं, बल्कि दलितों का आत्मविश्वास हैं। मूर्ति तोड़ने वाला जानता है कि वह दलितों को अपमानित कर रहा है। लेकिन हर बार जब मूर्ति टूटती है, तो लोग और अधिक जुट जाते हैं, और दूसरी मूर्ति खड़ी कर देते हैं।

6 प्रशासनिक उदासीनता और न्याय का अभाव

जब भी आंबेडकर की मूर्तियां तोड़ी जाती हैं, अक्सर देखा गया है कि पुलिस एफआईआर तक दर्ज नहीं करती, या मामले को मामूली विवाद कहकर टाल देती है। दोषियों को सजा न मिलना मूर्ति तोड़ने वालों का हौसला बढ़ा देता है। अगर प्रशासन सख्ती से कदम उठाए और दोषियों को तुरंत सजा मिले, तो ऐसी घटनाओं में कमी आ सकती है।

7 मूर्ति तोड़ना आंबेडकर को मिटा नहीं सकता

आंबेडकर की मूर्तियां चाहे जितनी बार तोड़ी जाएं, उनके विचार नहीं टूट सकते। मूर्तियां तो टूट सकती हैं, लेकिन आंबेडकर का लिखा संविधान और उनका विचारधारा आज भी जीवित है। हर बार जब मूर्ति तोड़ी जाती है, लोग चंदा इकट्ठा कर नई मूर्ति लगा देते हैं। यह इस बात का संकेत है कि आंबेडकर का आंदोलन आज भी लोगों के दिलों में जीवित है।

8 मीडिया की भूमिका

कई बार मीडिया में इस प्रकार की घटनाओं को गंभीरता से नहीं दिखाया जाता। मीडिया इसे एक 'छोटी घटना' बताकर किनारे कर देती है। इससे समाज में संदेश जाता है कि दलित प्रतीकों और उनके नेताओं का अपमान कोई बड़ी बात नहीं है।

9 दलित आंदोलन के खिलाफ असुरक्षा की भावना

आंबेडकर ने कहा था कि "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।" आज जब दलित समुदाय शिक्षा और संगठन के माध्यम से आगे बढ़ रहा है, तो इस प्रगति से असुरक्षित वर्ग मूर्तियों पर हमला करके अपनी हताशा निकालते हैं।

10 समाधान क्या हो

कानूनी सख्ती: मूर्तियां तोड़ने को सिर्फ संपत्ति का नुकसान मानकर न देखें, बल्कि इसे समुदाय विशेष के आत्मसम्मान पर हमला मानकर कड़ी सजा दी जाए। सीसीटीवी और सुरक्षा: गांवों और चौराहों पर लगी मूर्तियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी लगाए जाएं। सामाजिक जागरूकता: समाज में आंबेडकर के योगदान और उनके विचारों को सम्मान देने की संस्कृति विकसित हो। राजनीतिक इच्छाशक्ति: सरकार और स्थानीय प्रशासन को बिना पक्षपात ऐसे मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए। मूर्ति पुनर्निर्माण आंदोलन: हर बार मूर्ति तोड़े जाने पर पूरे समुदाय को संगठित होकर फिर से नई मूर्ति खड़ी करनी चाहिए।

आंबेडकर की मूर्तियों का बार-बार टूटना इस बात का संकेत है कि आंबेडकर का आंदोलन आज भी जीवित है, और समाज में कुछ वर्ग अभी भी उनके विचारों से डरते हैं। आंबेडकर की मूर्तियां सिर्फ मूर्तियां नहीं हैं, वे करोड़ों लोगों के आत्मसम्मान की पहचान हैं। जो लोग मूर्तियां तोड़ते हैं, वे यह भूल जाते हैं कि आंबेडकर ने संविधान बनाकर इस देश के करोड़ों दलितों, पिछड़ों और शोषितों को जो अधिकार दिए, उन्हें कोई छीन नहीं सकता। आंबेडकर की मूर्तियां टूट सकती हैं, लेकिन उनका विचार और उनके दिखाए गए रास्ते को कोई नहीं मिटा सकता। हर बार जब एक मूर्ति टूटती है, तो वह दलित समाज को याद दिलाती है कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। हमें संगठित रहना है, शिक्षा और संघर्ष के रास्ते पर चलकर समाज में बराबरी लानी है। आंबेडकर की मूर्तियों को तोड़ने की घटनाओं से हमें डरने की नहीं, बल्कि और अधिक संगठित और शिक्षित होकर जवाब देने की जरूरत है। हमें हर उस विचार का विरोध करना होगा जो बराबरी और इंसाफ के खिलाफ है, और हर उस कोशिश को नाकाम करना होगा जो समाज को बांटने की कोशिश करे। यह देश डॉक्टर आंबेडकर का भी उतना ही है जितना किसी और का, और जब तक आंबेडकर के अनुयायी उनके दिखाए रास्ते पर चलते रहेंगे, तब तक कोई भी मूर्ति तोड़कर इस आंदोलन को नहीं रोक सकेगा।

जाति, सत्ता और विरोध का सच

भारत की सड़कों और चौराहों पर लगी नीली रंग की डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की मूर्तियां सिर्फ पत्थर की नहीं, बल्कि करोड़ों दलितों और वंचितों के आत्मसम्मान और अधिकारों की निशानी हैं। हर कुछ महीनों में आंबेडकर की किसी न किसी मूर्ति के टूटने, उसके चश्मे या ऊंगली को तोड़े जाने की खबर आती है। आखिर ऐसा क्यों होता है? डॉ. आंबेडकर ने जातिव्यवस्था को सीधी चुनौती दी थी। उन्होंने 'मनुस्मृति' को जलाया और बौद्ध धर्म अपनाकर जातिगत अन्याय का विरोध किया। उनकी मूर्तियां इसी संघर्ष और चुनौती का प्रतीक बन गईं। जो लोग जाति व्यवस्था से विशेष लाभ उठाते आए हैं, उनके लिए ये मूर्तियां आंखों में चुभती हैं। मूर्तियों को तोड़कर वे आंबेडकर के विचारों और उनके अनुयायियों का मनोबल तोड़ना चाहते हैं। आंबेडकर की मूर्तियां दलित समाज की राजनीतिक पहचान और आत्मसम्मान का प्रतीक भी हैं। जब किसी दलित बस्ती में मूर्ति लगती है, तो यह वहां के लोगों को अधिकारों के लिए खड़े होने की ताकत देती है। मूर्ति तोड़ना दलित समाज को डराने और यह दिखाने का प्रयास होता है कि उनके प्रतीक सुरक्षित नहीं हैं। अक्सर चुनावों से पहले या किसी तनावपूर्ण माहौल में मूर्तियां तोड़ी जाती हैं ताकि दंगे भड़क सकें और राजनीतिक लाभ लिया जा सके। कई बार यह ब्राह्मणवादी मानसिकता का भी परिणाम होता है, जो आज भी आंबेडकर के विचारों को चुनौती मानती है। मूर्तियां तोड़ना दरअसल सत्ता के उस ढांचे को बनाए रखने का प्रयास होता है, जिसे आंबेडकर ने चुनौती दी थी। दुख की बात यह है कि जब भी ऐसी घटनाएं होती हैं, प्रशासन उदासीन रहता है। पुलिस एफआईआर तक दर्ज नहीं करती या दोषियों पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिससे मूर्ति तोड़ने वालों का हौसला बढ़ता है। फिर भी, हर बार जब मूर्ति टूटती है, लोग संगठित होकर नई मूर्ति खड़ी कर देते हैं। यह दिखाता है कि आंबेडकर के विचार टूट नहीं सकते। मूर्तियां तो टूट सकती हैं, लेकिन संविधान और आंबेडकर का विचार आज भी जिंदा है।

सपनों का महल: पुर्तगाल की स्थापत्य कला का जीवंत प्रतीक

पुर्तगाल, यूरोप का वह छोटा-सा देश, जिसने कभी पूरी दुनिया में अपने जहाजों और खोज यात्राओं से पहचान बनाई, उसकी सबसे बड़ी पहचान उसकी अद्‌भुत स्थापत्य कला भी है। पुर्तगाल के किले, महल, चर्च और गलियां अपने आप में इतिहास का जीवंत दस्तावेज़ हैं। वहां का स्थापत्य सिर्फ ईंट-पत्थर का जोड़ नहीं, बल्कि उस दौर की सोच, संस्कृति और कलात्मक दृष्टि का सजीव प्रमाण है। पुर्तगाल के महल, जैसे सिन्त्रा का पेना पैलेस (Pena Palace), बेलें टॉवर (Belem Tower), और क्वेलुज पैलेस (Queluz Palace), आज भी एक सपनों के महल की तरह नजर आते हैं। आज जब दुनिया ग्लास की ऊँची इमारतों और सीमेंट-कंक्रीट के जंगल में फंसी है, पुर्तगाल का स्थापत्य हमें याद दिलाता है कि सुंदरता और मजबूती को कैसे एक साथ लाया जा सकता है। इन महलों की खिड़कियों से आती ठंडी हवा, बालकनी से दिखते समुद्र के दृश्य और दीवारों पर बनी नक्काशियां किसी भी व्यक्ति को इतिहास की यात्रा पर ले जाती हैं। यह स्थापत्य कला सिर्फ देखने का विषय नहीं है, बल्कि महसूस करने और उससे प्रेरित होने की आवश्यकता है।

पुर्तगाल का स्थापत्य: मिश्रित संस्कृतियों की छाप

पुर्तगाल की स्थापत्य कला में रोमन, गोथिक, मूरिश (इस्लामी), मैनुएलिन और बारोक शैलियों का मिश्रण मिलता है। 8वीं शताब्दी से लेकर 15वीं शताब्दी तक इस क्षेत्र में मुस्लिम शासन और सांस्कृतिक प्रभाव रहा, जिसका असर महलों और मस्जिदों पर भी दिखता है। अल्गारवे क्षेत्र में मूरिश किले आज भी खड़े हैं। पुर्तगाल के स्थापत्य में इस्लामी गुम्बद, मेहराब, मोजाइक और आर्टवर्क का बेहतरीन उपयोग हुआ, जिसने यूरोप की पारंपरिक स्थापत्य शैली में नई जान फूंकी। 15वीं शताब्दी में मैनुएलिन शैली आई, जिसने पुर्तगाल के महलों और चर्चों को और भव्य बना दिया। बेलें टॉवर इसका सबसे सुंदर उदाहरण है, जिसकी दीवारों पर समुद्री यात्राओं और पुर्तगाली नाविकों की कहानियां उकेरी गई हैं। इसका स्थापत्य न केवल सुंदर है बल्कि समुद्री यात्रा की प्रतीकात्मकता भी समेटे हुए है।

सिन्त्रा का पेना पैलेस: सपनों का रंगीन महल

सिन्त्रा पहाड़ियों पर बसा पेना पैलेस पुर्तगाल की स्थापत्य कला का सबसे बड़ा प्रतीक है। रंग-बिरंगे पीले, लाल और नीले रंग में रंगा यह महल एक परी-कथा जैसी छवि प्रस्तुत करता है। 19वीं सदी में बना यह महल रोमैंटिसिज्म का प्रतीक माना जाता है। पेना पैलेस का डिजाइन मूरिश, गोथिक और मैनुएलिन शैली का मिश्रण है। इसकी बालकनियों पर बने ड्रैगन के आकार, रंगीन टाइल्स की दीवारें और ऊंची मीनारें इस महल को जीवंत बनाती हैं। पेना पैलेस में जाकर ऐसा लगता है जैसे आप किसी राजा के सपनों में आ गए हों, जहां कलात्मकता और प्राकृतिक सुंदरता का संगम है। बादलों में घिरा यह महल, नीचे हरे जंगलों और ऊपर नीले आसमान के बीच खड़ा रहता है। यह महल हमें यह याद दिलाता है कि स्थापत्य कला में कल्पना और व्यवहारिकता का संगम कैसे संभव है।

क्वेलुज पैलेस: लिस्बन के पास बारोक कला का प्रतीक

लिस्बन के नजदीक स्थित क्वेलुज पैलेस पुर्तगाल के शाही इतिहास और बारोक स्थापत्य कला का प्रतीक है। 18वीं सदी में बने इस महल में खूबसूरत बाग, फव्वारे, मूर्तियां और सुनहरी सजावट है। इस महल की छतों और दीवारों पर बनी पेंटिंग्स पुर्तगाल की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती हैं। इसकी विशाल खिड़कियां और बगीचे में लगे पेड़, फूल और पानी की झीलें इसे शांति और भव्यता का संगम बनाते हैं।

पुर्तगाल की गलियां: इतिहास की गलियों में चलना

पुर्तगाल की सिर्फ इमारतें ही नहीं, बल्कि उसकी संकरी गलियां भी स्थापत्य कला का हिस्सा हैं। लिस्बन की अल्फामा और पोर्टो की रिबेरा जैसी जगहों की गलियों में चलते हुए पत्थर की दीवारें, पुराने घरों की खिड़कियां और रंगीन टाइल्स की दीवारें पुर्तगाल के जीवन की कहानी कहती हैं। इन गलियों में घूमना किसी संग्रहालय में घूमने जैसा अनुभव देता है।

स्थापत्य कला में टाइल्स का महत्व पुर्तगाल की स्थापत्य कला में 'अज़ुलेजो' (Azulejo) नामक रंगीन टाइल्स का विशेष महत्व है। इन टाइल्स पर सुंदर चित्र, धार्मिक कथाएं, समुद्री यात्राओं के दृश्य, फूल-पत्तों की डिजाइन और ज्यामितीय आकार बने होते हैं। ये टाइल्स न केवल इमारतों को सुंदर बनाते हैं बल्कि पुर्तगाल की पहचान भी हैं। हर दीवार और सीढ़ी पर लगी ये टाइल्स पुर्तगाली कला की आत्मा हैं।

संरक्षण की चुनौती

आज पुर्तगाल के यह सपनों जैसे महल और इमारतें पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं, लेकिन इनके संरक्षण की चुनौती भी बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक पर्यटन और प्रदूषण से इन इमारतों को नुकसान हो रहा है। पुर्तगाल सरकार और स्थानीय संस्थाएं इन धरोहरों के संरक्षण में लगी हुई हैं, लेकिन हमें भी इस स्थापत्य धरोहर के महत्व को समझना और उसका सम्मान करना होगा।

भारतीय दृष्टि से सीख

भारत में भी स्थापत्य कला की लंबी परंपरा है। कश्मीर की लकड़ी की मस्जिदें, राजस्थान के किले, दक्षिण भारत के मंदिर और लखनऊ का इमामबाड़ा भारतीय स्थापत्य की भव्यता के उदाहरण हैं। पुर्तगाल के स्थापत्य को देखकर हम भी सीख सकते हैं कि किस प्रकार इतिहास, संस्कृति और कलात्मकता को एक इमारत में पिरोया जा सकता है। साथ ही, इन इमारतों का संरक्षण करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन्हें जीवित रखा जा सकता है। पुर्तगाल की स्थापत्य कला का यह सफर हमें यह सिखाता है कि किसी भी देश की पहचान उसकी इमारतों और कला से भी बनती है। पेना पैलेस जैसा महल केवल पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि एक सपनों का महल है, जो मानव की रचनात्मकता और कलात्मक दृष्टि का प्रतीक है। यह महल और पुर्तगाल की इमारतें हमें यह बताती हैं कि सुंदरता, मजबूती और संस्कृति को साथ लेकर कैसे स्थापत्य रचा जाता है। आज के दौर में जब आधुनिक इमारतें तेजी से बन रही हैं, हमें पुर्तगाल जैसे देशों से सीख लेकर अपने शहरों और गांवों में स्थापत्य कला की सुंदरता और सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए। सपनों का यह महल हमें प्रेरित करता है कि हम भी अपनी जमीन पर कुछ ऐसा बनाएं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए गर्व और प्रेरणा का कारण बने।

डॉ. ज़ाकिर हुसैन: शिक्षा, ईमानदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रतीक

डॉ. जाकिर हुसैन भारत के तीसरे राष्ट्रपति थे। वे 13 मई 1967 से 3 मई 1969 को अपने निधन तक इस पद पर रहे। 8 फरवरी 1897 को हैदराबाद में जन्मे हुसैन बड़े राजनीतिक नेता के साथ-साथ शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी भी थे। उनके व्यक्तित्व का प्रभाव राजनीतिक सीमाओं से परे था। भारत के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं जिन्होंने अपने ज्ञान, ईमानदारी और कर्मनिष्ठा से देश को नई दिशा देने में योगदान दिया। डॉ. ज़ाकिर हुसैन ऐसे ही एक महान शिक्षाविद, राष्ट्र निर्माता और भारत के तीसरे राष्ट्रपति थे। वे पहले मुस्लिम राष्ट्रपति भी थे, जिन्होंने भारतीय समाज को शिक्षा और एकता के धागे में पिरोने का काम किया। उन्होंने हैदराबाद में प्रारंभिक शिक्षा पूरी की, इसके बाद वो अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी चले गए। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी गहरी रुचि ने उन्हें अलीगढ़ में राष्ट्रीय मुस्लिम विश्वविद्यालय की सह-स्थापना करने के लिए प्रेरित किया, जो बाद में दिल्ली चला गया और इसका नाम बदलकर जामिया मिलिया इस्लामिया कर दिया गया। हुसैन ने भारत की आजादी की लड़ाई में भी सक्रिय भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के बाद, उन्होंने कई महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर कार्य किया। उनका मानना था कि भारत की आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ शिक्षा को एक टूल के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कभी भी पाकिस्तान के तौर पर अलग राष्ट्र बनाने का समर्थन नहीं किया।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

डॉ. ज़ाकिर हुसैन का जन्म 8 फरवरी 1897 को हैदराबाद (तेलंगाना) में हुआ था। उनके पिता का नाम फिदा हुसैन था, जो बिहार के कायमगंज (फर्रुखाबाद) से थे। मात्र 10 वर्ष की उम्र में पिता का साया उनके सिर से उठ गया, इसके बाद उनका परिवार आर्थिक कठिनाइयों में आ गया। लेकिन इन मुश्किल हालातों में भी ज़ाकिर हुसैन ने अपनी शिक्षा जारी रखी। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी की बर्लिन यूनिवर्सिटी गए, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। जर्मनी में रहते हुए उन्होंने भारतीय संस्कृति, शिक्षा और समाज पर शोध कार्य किया। इस समय से ही उनमें राष्ट्र निर्माण और शिक्षा सुधार का बीज पनप चुका था।

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान

डॉ. ज़ाकिर हुसैन ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यावहारिकता और नैतिकता का समावेश करने की दिशा में कार्य किया। वे महात्मा गांधी के 'नैतिक शिक्षा और कुटीर उद्योग' आधारित शिक्षा के पक्षधर थे। 1920 में जब महात्मा गांधी ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी छोड़कर नेशनल यूनिवर्सिटी (जामिया मिल्लिया इस्लामिया) की स्थापना की, तब ज़ाकिर हुसैन भी उसमें शामिल हो गए। उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा भाग जामिया मिल्लिया इस्लामिया को खड़ा करने और विकसित करने में लगा दिया। 1926 में वे इसके वाइस चांसलर बने और 22 वर्षों तक इस पद पर रहकर शिक्षा के माध्यम से सामाजिक सुधार का कार्य करते रहे। उनका मानना था कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें नैतिकता, कौशल और आत्मनिर्भरता के मूल्यों का विकास होना चाहिए। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में 'हैंड्स ऑन ट्रेनिंग' (व्यावहारिक शिक्षा) को बढ़ावा दिया।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

डॉ. ज़ाकिर हुसैन ने प्रत्यक्ष रूप से स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया, लेकिन उन्होंने शिक्षा और समाज सुधार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सहयोग दिया। उन्होंने ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली की आलोचना की और भारतीय शिक्षा प्रणाली में भारतीयता और स्वदेशीपन की भावना जागृत करने का कार्य किया।

राष्ट्रपति बनने तक का सफर

1948 में भारत सरकार ने उन्हें शिक्षा आयोग का सदस्य बनाया। इसके बाद 1956 में वे राज्यसभा के लिए चुने गए। 1957 में उन्हें बिहार का राज्यपाल बनाया गया।

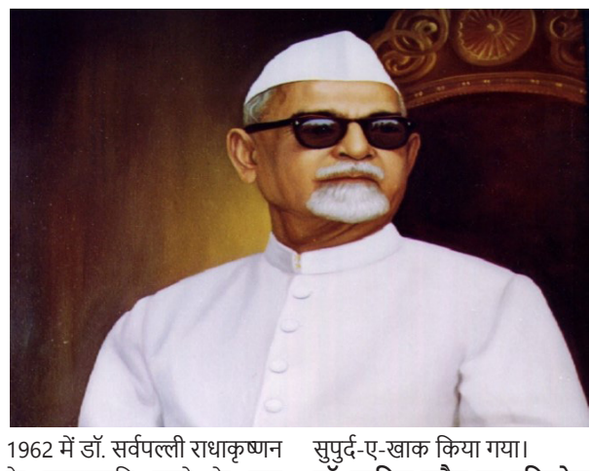

1962 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने के बाद ज़ाकिर हुसैन को भारत का उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया। 13 मई 1967 को डॉ. ज़ाकिर हुसैन भारत के तीसरे राष्ट्रपति बने और इस पद पर आसीन होने वाले पहले मुस्लिम राष्ट्रपति बने। उनका राष्ट्रपति पद ग्रहण करना भारतीय लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की खूबसूरती का प्रतीक था।

राष्ट्रपति के रूप में कार्यशैली

डॉ. ज़ाकिर हुसैन का राष्ट्रपति कार्यकाल सादगी, ईमानदारी और पारदर्शिता का उदाहरण बना। वे राष्ट्रपति रहते हुए भी सादा जीवन जीते रहे और राष्ट्रपति भवन को शिक्षा और भारतीय संस्कृति के प्रचार का केंद्र बनाने का प्रयास किया। उन्होंने हमेशा भारतीय युवाओं से नैतिकता और कर्तव्यनिष्ठा का पालन करने की अपील की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता पर बल दिया। वे शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मुख्य आधार मानते थे। उनका यह वाक्य प्रसिद्ध है: "भारत की सेवा का अर्थ है लाखों-करोड़ों भारतवासियों की सेवा करना, उनके दुख-दर्द को दूर करना, उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करना।"

निधन

3 मई 1969 को राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनका देहांत हो गया। वे भारत के पहले ऐसे राष्ट्रपति बने जिनका निधन कार्यकाल के दौरान हुआ। उनके निधन पर पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। दिल्ली में उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

डॉ. ज़ाकिर हुसैन का दृष्टिकोण और विरासत

डॉ. ज़ाकिर हुसैन का जीवन भारतीय युवाओं और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका मानना था कि शिक्षा व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और नैतिकता के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होंने शिक्षा को भारतीय संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हुए इसे समाज सुधार का माध्यम बनाया। आज भी जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जिसे उन्होंने अपने खून-पसीने से सींचा, देश की प्रमुख शैक्षणिक संस्थाओं में से एक है। उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्य आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने अपने जीवन से यह दिखा दिया कि किसी भी देश की प्रगति और एकता का रास्ता शिक्षा और समाज सुधार से होकर ही जाता है।

सम्मान और पुरस्कार

उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 1954 में पद्म विभूषण और 1956 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके द्वारा शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में किए गए अद्‌भुत कार्यों के लिए देश की ओर से कृतज्ञता का प्रतीक थे। डॉ. ज़ाकिर हुसैन का जीवन संदेश देता है कि सच्चे अर्थों में राष्ट्र निर्माण वही लोग कर सकते हैं जो समाज और शिक्षा को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं। उन्होंने शिक्षा, सरलता और सेवा की भावना के साथ अपना संपूर्ण जीवन देश और समाज के लिए समर्पित कर दिया।

भजनलाल शर्मा ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संत-महात्माओं का किया सम्मान-सत्कार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरूवार को डीग के पूंछरी का लौठा में श्रीनाथ जी मंदिर में पंचामृत से अभिषेक किया। उन्होंने सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए कामना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में संत-महात्माओं का गुरु पूजन कर आशीर्वाद भी लिया। शर्मा ने मंदिर परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा में मुकुट मुखारविंद पर गिरिराज जी का दुग्धाभिषेक भी किया।

गुरु पूजन कर आमजन की खुशहाली के लिए की कामना

इसके पश्चात मुख्यमंत्री भरतपुर के सेवर में लुधावई स्थित बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में सपत्नीक दर्शन कर आमजन की खुशहाली की कामना की। शर्मा ने गुरू वंदन कार्यक्रम के तहत बड़ा हनुमान मंदिर में महंत श्री रामदास जी महाराज का सत्कार-सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने श्री रामदास जी को सम्मान राशि, श्रीफल, शॉल, मिठाई एवं गुरू वंदन संदेश भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। शर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के साथ बैठकर प्रसादी भी ग्रहण की।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विगत कई वर्षों से गुरू पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्ष पूंछरी का लौठा पहुंचकर गुरूओं एवं साधुओं का आशीर्वाद लेते हैं। शर्मा के निर्देशों पर ही इस दिन संत-महात्माओं के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए प्रदेशभर में गुरु वंदन कार्यक्रम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं का किया निस्तारण

इससे पहले मुख्यमंत्री ने बड़ा हनुमान मंदिर परिसर के समीप जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जगत सिंह, बहादुर सिंह कोली, डॉ. शैलेश सिंह, नौक्षम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवंदन एवं गुरु सम्मान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

-जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने किया संतों, धर्म गुरुओं एवं महन्तों का सम्मान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जयपुर जिले के 45 धर्म गुरुओं, महन्तों एवं संतां का सम्मान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीगण किया गया। गुरु वंदन एवं एवं गुरु सम्मान कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शुभकामना सन्देश, 2100 रूपये की भेंट, शॉल, श्रीफल, पुष्प माला एवं मिष्ठान भेंट कर धर्म गुरुओं, महन्तों एवं संतां का सम्मान किया गया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महन्त श्री रामदास/रामसेवक दास जी महराज, मंदिर श्री पापड वाले हनुमान जी, विद्याधर नगर, महाराज श्री हरिशंकर वेदान्ती, सियाराम दास जी की बगीची, ढहर का बालाजी, अम्बाबाडी जयपुर तथा महाराज श्री कौशल्या दास जी. कौशल्या दास जी की बगीची, बनीपार्क, जयपुर का सम्मान किया गया। वहीं कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, सूचना प्रोद्योगिक एवं संचार विभाग, युवा मामले और खेल विभाग, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, सैनिक कल्याण विभाग ने महंत सोमानीजी, झारखण्ड महादेव मंदिर का सम्मान किया।

महन्त श्री रामरिछपाल दास, त्रिवेणी धाम, शाहपुरा, जयपुर का झाबर सिंह खर्रा, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग द्वारा, महंत श्री गोवर्धन दास जी. श्री दादू पालका, भैराणाधाम, भैराणा, दूदू, जयपुर का मदन दिलवार मंत्री, विद्यालयी शिक्षा विभाग (स्कूल एजूकेशन), पंचायती राज विभाग एवं संस्कृत शिक्षा विभाग द्वारा, महन्त कैलाश चन्द शर्मा, मंदिर श्री गणेश जी महाराज, मोती डूंगरी जयपुर व स्वामी श्री रामरतनदेवाचार्य जी महाराज, मंदिर श्री नृसिंह जी, श्री नारायण धाम आश्रम, गोपालबाडी, रेल्वे स्टेशन के पास, जयपुर तथा महाराज श्री अवदेशानन्द जी, सिदेश्वर हनुमान मंदिर, नन्दपुरी, बाईस गोदाम, जयपुर का गोपाल शर्मा विधायक सिविल लाईन्स द्वारा, महन्त श्री जगमोहनदास जी, मंदिर श्री हनुमान आश्रम, रोडा नदी, जमवारामगढ़, जयपुर व महन्त श्री बलरामदास जी महाराज, मंदिर श्री बालाजी थली, जमवारामगढ़, जयपुर का श्री महेन्द्र पाल मीणा विधायक, जमवारामगढ़, जयपुर द्वारा शुभकामना सन्देश, 2100 रूपये की भेंट, शॉल, श्रीफल, पुष्पमाला व मिष्ठान भेंट कर गुरूवंदन एवं गुरू सम्मान कर आर्शीवाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर राजस्थान सरकार द्वारा सम्मानित होने पर धर्म गुरुओं, महन्तों एवं साधु-संतों ने खुशी का इजहार किया है साथ उन्होंने राजस्थान सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का आभार जताया है।

छारसा व खोरी परमानंदधाम में उमड़ी भक्तों की भीड़

-मुख्यमंत्री ने भेजा अभिनंदन पत्र,शॉल, श्रीफल व मिठाई

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। खोरी स्थित परमानंदधाम में गुरूवार को गुरू पूर्णिमा पर गुरू पूजन के लिए भक्तों की दिनभर भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने हरिओमदास महाराज का पूजन कर आशीर्वाद लिया।

भाजपा नेता उपेन यादव, तहसीलदार नीलमराज बंशीवाल, गिरदावर गोवर्धनलाल यादव, पटवारी हेमराज गुर्जर, कनिष्ठ सहायक संदीप कुमार शर्मा ने मंदिर में पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की और से गुरू पूर्णिमा पर भेजे गए श्रीफल, शॉल, दक्षिणा, मिठाई भेंट, अभिनंदन पत्र लेकर पहुंचे, जहां महाराज श्री का माल्यार्पण व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया।

मंदिर में सुबह 6 बजे से भक्तों का आने का सिलसिला चलता रहा, जो देर शाम तक जारी रहा। भक्तों को पंगत प्रसादी वितरण की गई। कार्यक्रम की व्यवस्था बनाने के लिए वार्डपंच मीना टीलावत, सरदारमल यादव, मालीराम यादव, शिंभुदयाल कुमावत, हंसराज मीणा, मुकेश मीणा, राजू दास, अजयदास सहित कई भक्त जुटे रहे। विधायक मनीष यादव ने भी महाराज से आशीर्वाद लिया है।

छारसा धाम में भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया

श्री श्री 1008 श्री किशन दास जी महाराज जोहड़ा धाम छारसा में श्री श्री 1008 श्री ऋषिकेश द्वाराचार्य पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री छबीले शरण देवाचार्य जी महाराज के सानिध्य में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया भक्तगण पधारकर महाराज श्री का आशीर्वाद स्वरूप गुरू आशिष प्राप्त कर पुण्य कमाए।

हरियालो राजस्थान के तहत वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा घोषित कार्यक्रम पालक गण, शिक्षक गण एवं बच्चों के साथ हरियालो राजस्थान के तहत गुरुवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सांगानेर टाउन के विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृक्षारोपण के प्रभारी शिक्षक अनिल सर एवं प्रधानाध्यापक राजेंद्र दायमा ने दी जानकारी के अनुसार दूसरे पखवाड़े के तहत प्रत्येक बालक बालिकाओं को 10 पौधे एवं प्रत्येक शिक्षक को 15 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। 10 जुलाई से 25 जुलाई तक हरियालो राजस्थान कार्यक्रम मनाया जाएगा। जिसमें 40 पौधे लगाए जाएंगे। प्रधानाध्यापक राजेंद्र दायमा ने कहा कि प्रकृति भी गुरु के समान है। आज गुरु पूर्णिमा के दिन वृक्षारोपण कर इसका भी पूजन करें। विद्यालय के शिक्षकों एवं बालकों के द्वारा तेजाजी का मंदिर, सार्वजनिक जगह एवं पार्क में 40 पौधे लगाए गए। इस मौके पर सांगानेर के समाजसेवी रसीद चाचा कागजी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की हरियालो राजस्थान के तहत वृक्षारोपण का जो कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वह बहुत ही सराहनीय कदम है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। इस कार्यक्रम में हम सब लोगों को बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध पर टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

-प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण, भंडारण और विक्रय पर उठाएं ठोस कदम- मुख्य सचिव

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद घातक है, इससे जनस्वास्थ्य, जलवायु और जैव विविधता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण, भंडारण और विक्रय में संलिप्त कारखानों और व्यापारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में सिंगल यूज़ प्लास्टिक रोकथाम टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि अंतर्राज्यीय परिवहन के माध्यम से हो रही सिंगल यूज़ प्लास्टिक की आपूर्ति पर रोक लगाने के लिए परिवहन एवं वाणिज्य कर विभाग समन्वित रणनीति तैयार करें। उन्होंने संबंधित विभागों से इस दिशा में गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया, विज्ञापन, विशेष लेखों, सफलता कहानियों और समाचारों के माध्यम से आमजन को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए। इसके स्थान पर कपड़े, जूट और अन्य पर्यावरण हितैषी विकल्पों को अपनाने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाए जाएं।

इससे पहले बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया। पंत ने शिक्षा विभाग को भी निर्देशित किया कि विद्यालयों में प्रार्थना सभाओं, पाठ्यक्रमों और खेल गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में इस विषय को लेकर जागरूकता उत्पन्न की जाए ताकि भावी पीढ़ी बचपन से ही पर्यावरण-संवेदनशील बने। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हितैषी उत्पादों के निर्माण में लगे लघु उद्योगों, स्वयं सहायता समूहों और गैर-सरकारी संगठनों को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, इन उत्पादों का अधिकाधिक उपयोग सरकारी कार्यालयों एवं आयोजनों में सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध की दिशा में नवाचारों को बढ़ावा दिया जाए तथा समय-समय पर टास्क फोर्स की बैठकें आयोजित कर कार्यों की समीक्षा की जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग आंनद कुमार, प्रमुख शासन सचिव उद्योग विभाग अलोक गुप्ता, शासन सचिव स्कूल शिक्षा विभाग कृष्ण कुणाल, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग डॉ. नीरज के पवन सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-12 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 10 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में जगतपुरा वार्ड नं. 109, सिद्धार्थ नगर, रामपुरा रोड़, रामपुरा फाटक, मंगलम आनन्दा अपार्टमेन्ट, कैलाश टावर टोंक रोड़, रिद्धी-सिद्धी चौराहा से मानसरोवर लिंग रोड, मांग्यावास शमसान घाट, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन, किंग्स रोड़, अजमेर रोड़, महाराणा प्रताप मार्ग आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 10 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 12 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

जयपुर जिला प्रशासन ने किया 'नरेगा आखर' अभियान का आगाज

- गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हुआ नरेगा आखर अभियान का शुभारंभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला मेटों के माध्यम से नरेगा श्रमिकों को साक्षर करने के लिए जिला प्रशासन ने नरेगा आखर अभियान का आगाज किया है। अभियान के तहत गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ अभियान का शुभारंभ हुआ।

जिला प्रमुख श्रीमती रमा चौपड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि साक्षरता से सशक्तिकरण की दिशा में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन का यह प्रयास मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान से ना केवल ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक चेतना का विस्तार हो बल्कि महिलाओं में भी हस्ताक्षर ज्ञान एवं वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरुकता का संचार होगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि नरेगा आखर का उद्देश्य जिले के ग्रामीण क्षेत्र के निवासरत निरक्षर ग्रामीणों एवं नरेगा श्रमिकों को साक्षर, दक्ष, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सक्रिय कर डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता के माध्यम से सशक्त बनाना है।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि नरेगा आखर अभियान के तहत बुनियादी साक्षरता, हस्ताक्षर ज्ञान, वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता शामिल है। इस हेतु महात्मा गांधी नरेगा, प्रारंभिक शिक्षा, शिक्षा साक्षरता एवं सतत शिक्षा, जिला अग्रणी प्रबंधक, सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभागों के माध्यम से अभियान का सफल संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग, साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग तथा प्रारंभिक शिक्षा विभाग के सहयोग से नरेगा श्रमिकों को बुनियादी साक्षरता और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए 'नरेगा आखर' अभियान का शुभारंभ किया गया है। 'नरेगा आखर' एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों मे नरेगा कार्यस्थलों पर कार्यरत निरक्षर श्रमिकों को कार्यात्मक, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता प्रदान करना है। यह पहल ग्रामीण निरक्षर श्रमिकों को बुनियादी साक्षरता और विषयगत जानकारी से अवगत करवाने के लिए शुरू की गई है, ताकि वे स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायतों के साथ सार्थक रूप से जुड सकें।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की यह पहल नरेगा कार्यस्थलों को केवल रोजगार स्थल नही, बल्कि सशक्तिकरण के केंद्र मे बदलने की परिकल्पना करती है। बुनियादी साक्षरता के माध्यम से नरेगा श्रमिक न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि समुदाय मे परिवर्तन के अग्रदूत के रूप मे उभरेंगे। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत संरचित शिक्षण मॉड्यूल, सामुदायिक कार्यशालाएं और डिजिटल टूल्स के एकीकरण के माध्यम से नरेगा श्रमिकों को आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं के लिए तैयार किया जाएगा। वित्तीय और डिजिटल साक्षरता पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें बैंकिंग, सरकारी योजनाओं तक पहुंच और डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम पश्चात प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा अपने-अपने ब्लॉक, ग्राम पंचायत क्लस्टर स्तर पर समस्त महिला मेटों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इस प्रकार प्रत्येक कार्यक्रम अधिकारी एवं विकास अधिकारी द्वारा स्वयं के अधीनस्थ पंचायत समिति में प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षकों की अलग-अलग टीम का गठन कर समस्त ग्राम पंचायतां में महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत कार्यरत निरक्षर श्रमिकों को 'नरेगा आखर' के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा।

कलाकारों को तलाशने और तराशने का नायाब मंच साबित हो रहा डेल्फिक क्लब:- श्रीमती श्रेया गुहा

- जयपुर में आयोजित हुआ डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान का चौथा स्थापना दिवस कार्यक्रम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थानी कला और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने, युवा कला प्रतिभाओं को तलाशने एवं तराशने के साथ-साथ माकूल मंच प्रदान करने और पारंपरिक कला रूपों को संरक्षित रखने की दिशा में डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है, यह कहना है काउंसिल की अध्यक्ष श्रीमती श्रेया गुहा का।

श्रीमती श्रेया गुहा ने यह बात हरिश्चन्द्र माथुर रीपा में आयोजित डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के चौथे स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि काउंसिल का उद्देश्य कला की मूल भावना को प्रोत्साहित एवं पल्लवित करने के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों के समग्र उन्नयन के प्रयासों को धरातल पर उतारना है।

उन्होंने बताया कि ने बताया कि डेल्फिक काउंसिल पिछले चार वर्षो से राजस्थान में कला व संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर कार्यरत है। डेल्फिक काउंसिल द्वारा युवा वर्ग को कला, संगीत, साहित्य, नृत्य, हस्तकलाओं, फोटोग्राफी, फिल्म मेकिंग इत्यादि से जोड़कर उनकी भागीदारी कला एवं संस्कृति क्षेत्र मे बढ़ाने हेतु विभिन्न संस्थानों मे 'डेल्फिक क्लब' की शुरूआत की गई है।

प्रदेश मे पहले से ही संचालित सात डेल्फिक क्लब कार्यरत है, जिनके साथ-साथ तीन नये डेल्फिक क्लब, सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल तथा धारव हाई स्कूल में गठित किये जा रहे है। श्रीमती गुहा ने बताया कि इन क्लबों द्वारा प्रदेश के युवाओं को अपनी कला व संस्कृति को जानने-पहचानने तथा उनके प्रदर्शन हेतु राजस्थान ही नही अपितु देश-विदेश में अवसर प्रदान किये जायेंगे।

कार्यक्रम मे विभिन्न स्कूलों के प्रतिनिधियों द्वारा डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की गई। श्रीमती गुहा द्वारा डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के नवीन लोगो का अनावरण किया गया। शॉर्ट फिल्म द्वारा डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की चार वर्ष की यात्रा का प्रदर्शन भी किया गया। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के सदस्यों द्वारा हरिश्चन्द्र माथुर रीपा परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

इस अवसर पर डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के महासचिव डॉ. जितेन्द्र सोनी (आई.ए.एस), निशान्त जैन (आई.ए.एस), शिप्रा शर्मा (आर.ए.एस), कीर्ति शर्मा, नवीन त्रिपाठी, राहुल सूद, मनीषा गुल्यानी, शुवांकर बिस्वास, शबाना डागर, अब्दुल लतीफ उस्ता, दिनेश राणा, आई.आई.सी.डी की निदेशक तूलिका गुप्ता, प्रोफेसर डॉ. अरूनांशु हाल्दार वाइस चांसलर सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी, सुश्री प्रीति सांगवान विद्याश्रम स्कूल, सुश्री प्रमेन्द्र खंगारोत एम.जी.डी स्कूल, सुश्री मंजू शर्मा एम.पी.एस स्कूल, सुश्री प्रियंका एन माथुर पैलेस स्कूल आदि भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने किए मां त्रिपुरा सुंदरी के दर्शन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा गुरुवार को बांसवाड़ा दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने उमराई स्थित शक्तिपीठ मां त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने परिवार सहित मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधायक शत्रुघन गौतम, जीजीटीयू के वीसी प्रो के. एस. ठाकुर, समाजसेवी पूंजीलाल गायरी सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने नाथद्वारा में लिया आर्शीवाद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजसमन्द जिला सहित राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर संतों का सम्मान एवं आदर-सत्कार किया गया।

राजसमन्द जिले के नाथद्वारा में प्रभु श्रीनाथजी के मंदिर में जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने मंगला दर्शन के पश्चात श्रीकृष्ण भण्डार के सुधाकर उपाध्याय को दक्षिणा, श्रीफल एवं शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मंदिर मण्डल सीईओ एवं नाथद्वारा उपखण्ड अधिकारी श्रीमती रक्षा पारीक मौजूद रहीं। इसी तरह मुंबई में महाराज श्री राकेश बावा को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने का संदेश भेजा गया।

नाथद्वारा उपखण्ड अधिकारी श्रीमती रक्षा पारीक एवं समाजसेवी मदन सिंह राठौड़ द्वारा खमनोर के बड़ा भाणुजा स्थित आयतों की धुणी पहुंचकर श्री संतोषनाथजी महाराज को दक्षिणा, श्रीफल, मिठाई एवं मुख्यमंत्री का संदेश भेंट किया गया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

पीएम जनमन योजना के तहत सनवाड़ा की सहरिया बस्ती में वर्षों बाद पहुंची बिजली

-दुर्गम पहाड़ी अंचल में 20 दिन में हुआ विद्युतीकरण

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा अनुसार ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करने के लिए आयोजित की जा रही रात्रि चौपालों ने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की मिसाल कायम की है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक पहल जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के नेतृत्व में तब देखने को मिली, जब उन्होंने दिनांक 23 मई 2025 को शाहाबाद ब्लॉक के दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे गांव सनवाड़ा में रात्रि चौपाल आयोजित कर जनसुनवाई की।

वर्षों से बिजली के इंतजार में थे 40 सहरिया परिवार

जनसुनवाई के दौरान सनवाड़ा के पूर्व सरपंच बद्रीलाल सहरिया ने जिला कलक्टर को अवगत कराया कि सनवाड़ा गांव से लगभग 3 किलोमीटर दूर पहाड़ियों और जंगलों के बीच बसे सहरिया समुदाय (सहराना) के 40 परिवारों को आज तक बिजली कनेक्शन नहीं मिला है। बस्ती में रहने वाले 200 से अधिक लोग वर्षों से अंधेरे में जीवन यापन कर रहे हैं। यह सुनते ही जिला कलक्टर ने त्वरित निर्णय लेते हुए रात्रि 11 बजे स्वयं मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण किया। बस्ती की दुर्गमता और वन क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद जिला कलक्टर तोमर की जनसेवा के प्रति समर्पण भाव ने उन्हें वहां तक पहुंचने से नहीं रोका। उन्होंने मौके पर अधीक्षण अभियंता एन.एम. बिलोटिया को तुरंत सर्वे कर 15 दिन में विद्तीकरण का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रशासनिक इच्छाशक्ति ने बदली तस्वीर

जिला कलक्टर तोमर ने बताया कि इस तरह की सहरिया बस्तियां, जिन्हें स्थानीय रूप से 'सहराना' कहा जाता है, सामान्य गांवों से काफी दूर जंगलों में होती हैं। रास्ते भी बेहद कठिन और नदी-नालों से होकर जाते हैं। अब तक यहां कोई विद्त लाइन नहीं पहुंची थी। लेकिन सरकार की पीएम जनमन योजना के अंतर्गत अब ऐसे क्षेत्रों को प्राथमिकता में लेते हुए विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

20 दिन में 40 परिवारों को मिला निशुल्क बिजली कनेक्शन

अधीक्षण अभियंता एन.एम. बिलोटिया ने जिला कलक्टर के निर्देशों पर अन्य विभागों के समन्वय से केवल 20 दिन में संपूर्ण विद्तीकरण का कार्य पूर्ण कर दिया। बिलोटिया ने बताया कि लगभग 2 किलोमीटर लंबी 11 केवी लाइन, 1 किलोमीटर एलटी लाइन, 2 सिंगल फेज, 25 केवी ट्रांसफार्मर और कुल 38 नए

विद्त पोल लगाए गए। यह संपूर्ण कार्य पथरीली और पहाड़ी भूमि में किया गया, जहां ड्रिलिंग की सहायता से खंभों की स्थापना और ट्रांसफार्मर लगाए गए। यह कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन जिला कलक्टर की प्राथमिकता स्पष्ट थी 'अंधेरे को हर हाल में मिटाना'

आवास योजना से भी जुड़ रहे सहरिया परिवार

केवल बिजली ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत इन सहरिया परिवारों को पक्के मकान भी स्वीकृत किए गए हैं। अब ये परिवार, जो वर्षों तक झोपड़ियों और कच्चे घरों में जीवन यापन कर रहे थे, अब पक्की छत और रौशनी की सुविधा से युक्त सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

अंजुमन इत्तिहाद ए बाहमी ने फिल्म ' उदयपुर फाइल्स ' के रिलीज पर रोक लगाने की मांग

-सुप्रीम कोर्ट के निर्णय तक फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की रखी मांग

बारां,(रॉयल पत्रिका)। अंजुमन इत्तिहाद ए बाहमी के पदाधिकारियों ने फिल्म ' उदयपुर फाइल्स ' के रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम जिला कलेक्टर बारां रोहिताश् तोमर को ज्ञापन सौंपा। अंजुमन इत्तिहाद ए बाहमी के सचिव आबिद हुसैन अंसारी ने ज्ञापन में बताया कि राजस्थान में 36 कौम की आबादी के बावजूद हिन्द और मुस्लिम एकता की वो मिशाल देखने को मिली है, जिसे पूरे देश ने सराहा है, लेकिन शायद कुछ लोगों को प्रदेश की शांति और और कानून व्यवस्था पसंद नही आ रही और प्रदेश की गंगा-जमनी तहजीब को चुनौती देने की संभावना बन सकती है। उन्होने बताया कि पिछले दिनों एक हिन्दी फिल्म उदयपुर फाइल्स का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसके अन्दर कई ऐसे तथ्यों को दिखाया गया है, जिसमें इस्लाम धर्म और मुस्लिम

समुदाय को जानबूझकर टारगेट किया जा रहा है। उक्त फिल्म को 11 जुलाई को रिलीज किया जा रहा है, संभवत प्रदेश में भी इसी दिन रिलीज की जाएगी। उन्होने बताया कि फिल्म को लेकर कई मुस्लिम और समाजसेवी संगठनों ने सर्वोच्च न्यायालय में फिल्म के रिलीज को रोके जाने को लेकर याचिकाएं दाखिल की गई है। जो अभी विचाराधीन है, जिसकी सुनवाई भी जल्द होने की संभावना है। इस फिल्म में एक घटना जो कुछ वर्ष पहले राजस्थान में घटित हुई और अभी न्यायालय में विचाराधीन है उसी घटना के कुछ अंश दिखाए गए है, किन्तु न्यायालय में विचाराधीन किसी मामले पर पहले से एक सोच को कायम करना उचित नही है। ज्ञापन देने के दोरान नासिर मिर्जा, पार्षद जाकिर खान, हाजी अब्दुल हसीब, अब्दुल अजीज अज्जू, सईद भाई डिस्क, इफ्तिखार अहमद बबलू, अब्दुल मतीन, वासिद खान, मोलाना इम्तियाज आदि सदस्य मोजूद रहे।

गरीब नवाज रीलीफ फाउंडेशन ने किया पौधारोपण

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। गरीब नवाज रीलीफ फाउंडेशन द्वारा पूरे हिंदुस्तान में हर साल की तरह इस साल भी पौधारोपण प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। Y G N एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन अरशद अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हर साल की तरह इस साल भी दावते इस्लामी इंडिया के डिपार्टमेंट गरीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन द्वारा पौधा रोपण बाबा जंगलीशाह कब्रस्तान परिसर में किया गया। इस मौके पर मौलाना शारिक मदनी, गरीब नवाज रीलीफ फाउंडेशन के स्टेट जिम्मेदार मोहम्मद मुश्ताक, पीस मिशन के प्रदेश अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू, सीनियर एडवोकेट जाकिर हुसैन, द हेल्पिंग हैंड्स सोसायटी के अध्यक्ष अफरोज खान, वक्फ बोर्ड बारा के सेक्रेट्री दानिश भाई, समाजसेवी अशफाक भाई, मोईन भाई, अनवर, मुस्तनिर ने हिस्सा लिया। गरीब नवाज रीलीफ फाउंडेशन के स्टेट जिम्मेदार मोहम्मद मुश्ताक ने बताया कि गरीब नवाज रीलीफ फाउंडेशन पूरे देशभर में एक करोड़ बीस लाख पौधा लगाने का संकल्प लेकर पूरे जुलाई माह में पौधा रोपण अभियान चला रही है।

पाली में मनाया जाएगा यादे इमाम हुसैन

पाली,(रॉयल पत्रिका)। शनिवार को छिपो का हेटला बास में यादें इमाम हुसैन व उर्स ए मुफ्ती आजम मनाया जा रहा है कार्यक्रम के संयोजक हसन भाटी ने बताया है कि यादें इमाम हुसैन उर्स मुफ्ती आजम को लेकर तकरीरी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें घोसी शरीफ यूपी से हजरत जियाउल मुस्तफा, गुलज़ार इस्माइल वास्ती, मौलाना अबू यूसुफ, शहीद रज़ा तकरीर पेश करेंगे एवं पाली के नातख्वा अपने कलाम पेश करेंगे तकरीर का आयोजन पूरा होने के बाद लंगर ए हुसैनी का एहतमाम किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर आसिफ मिस्कीन, जावेद मोतीवाला, समीर गोल्डन, जावेद मालजी, इरफान मोतीवाला, दानियाल, अदनान डीके, हसन मिस्कीन आदि कार्यकर्ता जुटे हुए है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर जगह-जगह मंदिर परिसरों में विशेष सजावट

- कई मंदिर परिसरों में आज गुरुवार को कथा प्रवचन का शुभारंभ हुआ

चौमू,(रॉयल पत्रिका)। चौमूं क्षेत्र में हस्तेडा, किशनपुरा, आष्टींकला नोपुरा बमपुरी आश्रम में, गोविंदगढ़, ढोढसर, घिनोई उदयपुरिया, खेजरोली, जैतपुरा कालाडेरा, मंडा- भिंडा, आलीसर, के ही ढाणी कृष्णापुरी, जैयसिगपुरा जालिम सिहं का बास में नंदपुरी आश्रम कस्बे सहित क्षेत्र में मंदिरों में विशेष सजावट व कई मंदिरों में कथा व प्रवचनो गुरुवार को शुभारंभ हुआ। इसी प्रकार कस्बे की आष्टीकला महंत मंगल पुरी जी महाराज के सानिध्य में, शिष्यों ने ज्ञान आशीर्वाद के लिए चौमूं तहसील यादव समाज के अध्यक्ष सुभाष डागर ने कई मंदिरों में आशीर्वाद लेने पहुंचे, और क्षेत्र के लिए खुशहाली व चैन अमन मनौतियां मांगे। जालिम सिंह के

स्थित नंदपुरी आश्रम में नंदपुरी जी महाराज के सानिध्य आशीर्वाद प्रवचन दिए जाएंगे, इसी प्रकार ग्राम पंचायत भूतेडा के स्थित बालाजी महाराज व पंडित सांवरमल शर्मा के सानिध्य आशीर्वाद प्रवचन दिए जाएंगे पंडित सांवरमल ने बताया कि गुरुवार को एकदिवसीय को एकदिवसीय हवन-यज्ञ यजमानों आहुतियां दिलवा गई।

केवल अपरोक्ष आश्रम आचार्य पीठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया

सोजत,(रॉयल पत्रिका)। स्थानीय केवल अपरोक्ष आश्रम आचार्य पीठ में गुरु पूर्णिमा महोत्सव महामण्डलेश्वर डॉक्टर आचार्य ओम के सानिध्य में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्र सहित गुजरात महाराष्ट्र दिल्ली से आए भक्तों ने महंत केवलरामजी महाराज की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। महामण्डलेश्वर डॉक्टर आचार्य ओम से आर्शीवाद प्राप्त किया। स्वामी पूर्णानन्द महाराज ने बताया कि प्रात: 7 बजे से रुद्राभिषेक के पश्चात हवन-पूजन व देव आरती की गई। वहीं केवल जी महाराज की समाधि पर पुष्प अर्पित किये। मध्यान्ह 12.30 बजे से गुरु महिमा सहित भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिसमे आसपास से आएं भक्तों ने सत्संग का आनंद लिया। इस महोत्सव में बाहर गांवों से आने वाले भक्तों सहित सभी के लिये महाप्रसादी का आयोजन किया गया। पूरे दिन आश्रम में उत्सव जैसा माहौल रहा। इस अवसर पर ठेकेदार बालू राम बड़ौदा, जनकवि कैलाशदान चारण, भीकाराम सोलंकी, लिखमाराम पन्नू, समाजसेवी चंपालाल बामणिया, प्रभु राम रांगी, बीजराज दरठ, तुलसाराम पन्नूसा, भगाराम जयपाल, अचल दास जलवाणिया, गौतम चंद्र सूत्रधार, नरेंद्र पंवार, रामचंद्र भाटी, ताराचंद राठौड़, एडवोकेट मोहनलाल बामनिया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चों सहित भक्तों की भागीदारी रही।

भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा गुरु पूर्णिमा पर संतों का किया सम्मान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर गुरु पूर्णिमा पर आज प्रयागनाथ आश्रम रतननगर व चूरू में भानीनाथ आश्रम में जाकर भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में संतो का सम्मान कर गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया।इस अवसर पर प्रयाग नाथ आश्रम रतन नगर में महंत शिवनाथ महाराज व भानी नाथ आश्रम चूरू में महंत देव नाथ महाराज को मुख्यमंत्री द्वारा भेजा संदेश पढ़ के सुनाया गया व शॉल ओढ़ाकर मिठाई खिलाकर दक्षिणा प्रदान कर सम्मान किया गया व आशीर्वाद प्राप्त कर लोककल्याण की कामना की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि गुरु पूर्णिमा उत्सव भारतीय संस्कृति में सबसे बड़े उत्सवों में से एक माना जाता है क्योंकि गुरु का महत्व हम सब के जीवन में सबसे बड़ा होता है हमारे शास्त्रों में कहा गया है की गुरु और गोविंद में गुरु का स्थान बड़ा होता है क्योंकि गुरु ने ही हमें गोविंद का रास्ता दिखाया है। इस अवसर पर देवस्थान विभाग के कर्मचारी , जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, मंडल अध्यक्ष चुरु सुरेश सारस्वत, जिला मंत्री सूर्यप्रकाश ढाका , रतन नगर मंडल अध्यक्ष निर्मल सैन ,सोशल मीडिया सह संयोजक नोमान खान,भानी राम नाई, राम पीपलवा,जितेन्द्र धरेंद्रा, ओम प्रकाश जांगिड पार्षद, सूर्यप्रकाश स्वामी, मनीष भार्गव, बाली सिंह, सुभाष मायल, मोहन जी नायक, प्रभुदयाल गुडेसर, राजेन्द्र परिहार,पियूष सैनी, जगदीश जी नायक , विकाश चुलेट, परमेश्वर चोटिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कामकाजी महिलाओं को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित उस्मानाबाद कॉलोनी में वेलनेस लिविंग प्रोग्राम किया गया जिसमें अच्छी सेहत को लेकर महिलाओं को जागरूक किया गया कामकाजी महिलाएं अपने सेहत पर ध्यान नहीं दे पाती जिसकी वजह से अनेक तरह की बीमारियों से ग्रसित हो जाती हैं वेलनेस प्रभारी कोमल शर्मा ने बताया कि कैसे खान पान और दिनचर्या में बदलाव करके कैसे सेहतमंद ओर अच्छे स्वास्थ्य को हम आनंददायी बना सकते हैं निशा खटवानी ने बताया कि महिलाओं की जिंदगी काफी भाग दौड़ भरी रहती है ऐसे में महिलाओं को अपने

स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर थोड़ा वक्त अपने लिए वक़्त निकालकर थोड़ी कसरत करनी चाहिए ताकि मोटापा जैसी बीमारियों से निजात मिल सके इस अवसर समाजसेवी सुलेमान मनियार, रॉयल विकलांग संस्थान के अध्यक्ष अख्तर खान रुकनखानी आदि वार्ड की गणमान्य महिलाएं मौजूद थी।

हज यात्रा 2026 के लीए आन-लाइन आवेदन शुरू स्टेट हज इंस्पेक्टर इमरान सरकेल

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सेंट्रल हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज 2026 के लिए इस बार जुलाई से ही आनलाईन आवेदन शुरू कर दिए है। आवेदन की अंतिम तारीख 31 जुलाई तक है। राजस्थान स्टेट हज कमेटी के स्टेज हज इंस्पेक्टर इमरान सरकेल ने बताया कि इस बार कम वक्त का भी हज का विकल्प उपलब्ध है। कम समय में हज 20 दिनों का होगा, जिसमें मदीना शरीफ में 2-3 दिन की रिहाईश शामिल होगी कम समय हज के लिए अलग से कुरा ड्रा होगा। इस बार हज्जाज-ए-इकराम को नई सुविधा दी जाएगी जिसमें हज कमेरी द्वारा केटेगिरी सेवा ऑप्शनल होगी, जिसके लिए अतिरिक्त शुल्क लगेगा। एक कवर में 1 से 5 यात्री आवेदन कर सकते है। रिजर्व कैटेगरी 65+ के लिए 2 या 4 आवेदन कर सकते है। इमरान सरकेल ने बताया इसके लिए जल्द ही चूरू में निःशुल्क परामर्श शिविर लगाया जायेगा। जिसमे हज यात्रीयों के निशुल्क आनलाइन आवेदन भरे जायेगे।

जिला कलेक्टर ने किया स्टेडियम व स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण

-खिलाड़ियों, आमजन को खेल सुविधाओं का मिले पूरा लाभ

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने गुरुवार को प्रात: महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम, जेके पवेलियन एवं स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निरीक्षण किया। उन्होंने खेल मैदानों, विभिन्न खेलों की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

जिला कलक्टर ने खेल मैदानों, बैडमिंटन कोर्ट, कुश्ती, कराटे, बॉक्सिंग रिंग, एरोबिक्स, जिम आदि का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। इन गतिविधियों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या की जानकारी ली और निर्देश दिए कि खेलों में रुचि रखने वाले आधिकाधिक लोगों को जोड़ा जाए ताकि उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों का पूरा लाभ मिल सके।

उन्होंने महाराव उम्मेद सिंह

स्टेडियम का भी निरीक्षण किया और इसके रखरखाव के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर समारिया ने विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों से भी मुलाकात कर परिचय प्राप्त किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर खेल संकुल के विकास एवं उन्नयन की प्रस्तावित योजना की प्रगति के संबंध में उन्होंने कोटा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से जानकारी ली। अधिशासी अभियंता सुमित चित्तौड़ा ने बताया कि अपग्रेडेशन कार्य की डीपीआर तैयार करने हेतु आवश्यक कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। इस पर कलक्टर ने निर्देश दिए कि इस योजना का प्रेजेंटेशन तैयार कर प्रस्तुत किया जाए।

जिला खेल अधिकारी वाई वी सिंह ने खेलों की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। विभिन्न खेल गतिविधियों से अवगत कराया। महिला फुटबॉल अकादमी की प्रभारी मधु चौहान ने अकादमी के संबंध में जानकारी दी और समस्याओं से अवगत कराया।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज को मंत्री कुमावत ने दी विनम्र श्रद्धांजलि

पाली, (रॉयल पत्रिका)। चूरू में गत 9 जुलाई को क्रेश हुए भारतीय वायु सेना के जगुआर फाइटर जेट हादसे में शहीद हुए पाली के सुमेरपुर स्थित खिंवादी गांव के फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज सिंह (23) की देह पंचतत्व में विलीन। सैन्य सम्मान से हुआ उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार। शहीद पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज को अंतिम विदाई देने पहुंचे राजस्थान सरकार के गोपालन, डेयरी, पशुपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत। उन्होंने पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र चढ़ाकर उन्हें

विनम्र श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर एल एन मंत्री, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट, सैन्य अधिकारी उपखण्ड अधिकरी कालुराम कुम्हार, पुलिस प्रशासन व परिजन व ग्रामवासी मौजूद थे।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव मुस्ताक खान का जन्मदिन बड़ी ही सादगी के साथ मनाया गया

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव मुस्ताक खान का जन्मदिन बड़ी ही सादगी के साथ राजकीय भरतीया अस्पताल में मरीजों को फल - फ्रूट वितरण कर मनाया गया ।छात्र नेता फरमान खान ने कहा मुस्ताक खान राजनीति में अपना ऊंचा कद रखते ही रखते हैं। और समाज सेवा में भी है पीछे नहीं है। हर समाज में निर्धन व असहाय लोगों की मदद करते। हैं। पार्षद अंजनी शर्मा, यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव महेश ढूकिया, गुलजार खान,पार्षद प्रतिनिधि फारूक खान, छात्र नेता आदिल गौरी, युवा नेता तौफीक खान मिटकी, छात्र नेता नरपत रोलन ने कांग्रेस नेता मुस्ताक खान के जन्मदिन के अवसर पर भरतीया अस्पताल चूरू में महिला वार्ड में मरीजों को फल वितरण कर व केक काटकर मनाया। प्रदेश सचिव मुस्ताक खान ने इस पुण्य कार्य के लिए सभी को साधुवाद दिया। इस अवसर पर समीर खान, अरमान खान, सैफ कुरैशी, अज्जू लुहार, इमरान खान, कुलदीप, सूफियान झारिया, अमजद अखान, इरफान खान, साहिल खान, शाहिद , धोनी, मुस्लिम,नदीम, तौहीद, फरहान आदि उपस्थित रहे ।

स्मार्ट सिटी देने वाली डबल इंजन सरकार अब जनता पर थोप रही है स्मार्ट मीटर- मंडेलिया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ज़फ़ीक मंडेलिया ने कहा बिजली उपभोक्ताओं को जबरदस्ती थोपे जा रहे स्मार्ट मीटर के विरोध में आमजन में आक्रोश देखने को मिला। रफ़ीक मंडेलिया ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर कहा प्रदेश में अनेक जगह पर बिजली उपभोगताओं के जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने से भयभीत हैं, डबल इंजन सरकार जनता से स्मार्ट सिटी देने का वादा करने वाली, अब स्मार्ट मीटर बिजली उपभोगताओ को लगाने जा रही हैं, इस मीटर में अनेक तकनीकी खामियां बताई जा रही है। जिसके कारण इससे अधिक भार पड़ सकता है, यह पुराने मीटरों के मुकाबले ज्यादा यूनिट निकलना बताया गया है, वह प्रीपेड मोड पर रखे तो ज़्यादातर आबादी की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि वह पहले रिचार्ज कर सके, अगर करवा भी लिया तो बिजली सप्लाई कभी भी बंद हो जाएगी और प्रति महीने मिलने वाली 100 यूनिट का समायोजन भी किसी प्रकार किया जाएगा वह भी स्पष्ट नहीं है तथा वर्तमान में लगे

सभी चालू मीटर अच्छी हालत में है जिनको कबाड़ में डाला जाएगा जो कि सरकारी धन का सीधा नुकसान है, यह अब आमजन कभी बर्दाश्त नहीं करेगा।

बास घंटेल रा. उ. प्रा. विद्यालय में पौधारोपण किया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के नजदीक ग्राम बास घंटेल में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्कूल स्टाफ द्वारा पौधारोपण किया गया। प्रधानाध्यापक आमीर खान ने गांव वासियों को पौधे वितरित किए और पर्यावरण के बारे में जागरूक किया एवं अधिक से अधिक गांव में पौधे लगाकर हरियालो राजस्थान के तहत संदेश दिया। वरिष्ठ अध्यापिका अंजना देया, आबिद मंसूर, माधवी शर्मा, आरिफ मोहम्मद, विनोद कालेर आदि। ने स्कूल प्रांगण

में पौधे लगाकर स्वच्छ-भारत-स्वस्त भारत के तहत कार्यक्रम किया। गुरु पूर्णिमा पर अध्यापकों द्वारा बच्चों को पौधे वितरित कर पर्यावरण के प्रति दिया संदेश और कहां हर घर में लगे पेड़ और पौधे फिर करें उनकी करें रखवाली जिम्मेदारी के साथ।

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान 16 ग्राम पंचायतों में हुए शिविर

-केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से ग्रामीण हुए लाभांवित

जालोर,(रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में 24 जून से 9 जुलाई तक चलाए जा रहे पं.दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान बुधवार को 16 ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जाकर ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

इन ग्राम पंचायतों में आयोजित हुए शिविर, योजनाओं से ग्रामीणों को किया गया लाभांवित

पखवाड़े के दौरान बुधवार को जालोर उपखण्ड की बाकरा, बैरठ व बालवाड़ा, आहोर उपखण्ड की नोरवा व भाद्राजून, बागोड़ा उपखण्ड की कालेटी, जसवंतपुरा उपखण्ड की थूर व सेरणा, रानीवाड़ा उपखण्ड की धानोल, जाखड़ी व रतनपुर, चितलवाना उपखण्ड की चितलवाना व होतीगांव तथा सांचौर उपखण्ड की पहाड़पुरा, कोड़ व अचलपुर ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों के दौरान लंबित पत्थरगढ़ी और सीमाज्ञान प्रकरण का निस्तारण, स्वामित्व पट्टों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (एनएफ़एसए) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का निस्तारण एवं नवीन पात्र परिवारों एवं सदस्यों

की आधार सीडिंग के कार्य किए गए। वही रास्तों व जल संरचनाओं से अतिक्रमण हटाने और कृषि विभाग द्वारा बीज वितरण, बिजली विभाग द्वारा झूलते तारों को खिंचवाने व विद्त पोल समस्याओं का निस्तारण और वन विभाग द्वारा हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत पौधा वितरण किया गया। शिविरों में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, ऊर्जा, जलदाय, कृषि, वन, खाद्य, स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा, सामाजिक न्याय व अन्य विभागों की जनोपयोगी सेवाओं से ग्रामीणों को लाभांवित किया गया।

55 वर्ष बाद 113 खातेदारों के मध्य हुआ बंटवारा, अब खातेदारों के हो सकेंगे राजस्व संबंधी कार्य

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान जालोर उपखण्ड की बैरठ ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में 55 वर्ष बाद 113 खातेदारों के मध्य आपसी सहमति से खातेदारी भूमि का बंटवारा करवाया गया। ग्राम बैरठ में खाता संख्या 31, खसरा नं. 238 से 241 कुल रकबा 5.13 हैक्टेयर में 55 वर्ष से खातेदारों के मध्य बंटवारा नहीं होने से उन्हें राजस्व संबंधी कार्यों में परेशानी हो रही थी। शिविर में पटवारी जितेन्द्र दवे द्वारा जालोर तहसीलदार बाबूसिंह राजपुरोहित के संज्ञान में प्रकरण लाए जाने पर उन्होंने सभी काश्तकारों को बुलाकर राजी खुशी आपस में बंटवारा करने के लिए सहमति बनाई। तत्पश्चात् उन्होंने शिविर प्रभारी रमेश कुमार प्रजापत व पटवारी जितेन्द्र दवे, संजय कुमार व मंजू कुमारी को बंटवारा दस्तावेज तैयार करने के निर्देश दिए। भू-अभिलेख निरीक्षक पिन्टू कुमारी व रमेश कुमार ने 113 सहखातेदारों का बंटवारा पेश किया जिसे जालोर तहसीलदार बाबूसिंह राजपुरोहित ने स्वीकृति देते हुए सहखातेदारों के नाम अलग-अलग नामान्तरण खोलने के निर्देश दिए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े में मिला सहारा

-राजेन्द्र का साकार हुआ घर का सपना

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। हनोत्या गाँव के निवासी राजेन्द्र मीणा, पुत्र मोतीलाल मीणा, कई वर्षों से एक चिंता में डूबे थे। उनका सपना था कि उनका अपना एक पक्का घर हो, लेकिन यह सपना एक सरकारी दस्तावेज़, यानी घर के 'पट्टे' के अभाव में अधूरा था। पट्टे के बिना उन्हें किसी भी बैंक से आवास के लिए ऋण नहीं मिल पा रहा था। दफ्तरों के चक्कर काटने के बाद भी जब समाधान नहीं मिला, तो वे लगभग निराश हो चुके थे। उनकी निराशा आशा में तब बदली, जब उन्हें राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित "पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े" के बारे में जानकारी मिली। दिनांक 9 जुलाई 2025 को जब उनके नजदीकी ग्राम पंचायत मुख्यालय ख्यावदा में शिविर लगा, तो राजेन्द्र एक नई उम्मीद लेकर वहां पहुँचे। शिविर में उन्होंने शिविर प्रभारी को अपनी

वर्षों पुरानी समस्या बताई। उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब प्रभारी ने न केवल उनकी बात को ध्यान से सुना, बल्कि तत्काल राजस्व विभाग के कर्मचारियों को उनकी समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। शिविर में ही आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई और कुछ ही घंटों के भीतर उनके हाथ में वह दस्तावेज़ था, जिसका वे वर्षों से इंतज़ार कर रहे थे - उनके घर का आधिकारिक पट्टा। हाथों में पट्टा लिए राजेन्द्र मीणा की आँखों में खुशी और संतोष के आँसू थे। उन्होंने भावुक होकर कहा, "मैं सालों से इस पट्टे के लिए परेशान था। आज इस शिविर की वजह से मेरा काम मिनटों में हो गया। उन्होंने इस त्वरित और सुगम कार्यवाही के लिए राजस्थान सरकार और राजस्व प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शिविर आम आदमी के लिए अत्यधिक उपयोगी हैं।

स्कूल बैग के लिए दुकानों पर बच्चों की भीड़

बारां, (रॉयल पत्रिका)। गर्मियों की छुट्टियां खत्म होते ही स्कूलों में बच्चों की रौनक वापस लौटना शुरू हो गई। इसी के साथ बाजार में स्कूल बैग की दुकानों पर भी बच्चे अपने माता-पिता के साथ स्कूल बैग लेने पहुंच रहे हैं। शहर के स्टेशन रोड़, गांधी मार्केट, धर्मादा चौराहा, सहित विभिन्न बैगों की दुकानों पर बड़ी संख्या में बच्चे अपने माता-पिता के साथ स्कूल बैग लेने पहुंच रहे हैं। बैग व्यवसाई शोएब अख्तर ने बताया कि स्कूल खुलने के साथ ही नए स्कूल बैग खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों को लेकर पहुंच रहे हैं। बच्चों के चेहरे पर नए बैग लेने की खुशी साफ झलक रही है।

बंधा धर्मपुरा स्थित गौशाला का निरीक्षण कर कलक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

-पशु कल्याण की समस्त व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन हो

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। कलक्टर पीयूष समारिया ने बुधवार को बंधा धर्मपुरा स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला में मौजूद पशुओं की संख्या, उनकी सेहत, रखरखाव, चारे की गुणवत्ता, टीकाकरण, इलाज तथा अन्य व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। कलक्टर ने पशुधन कल्याण को सर्वोपरि बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने गौशाला में मौजूद पशुओं की कुल संख्या और नस्लों के आधार पर की गई उनकी श्रेणीबद्ध व्यवस्था की जानकारी ली। गौशाला में लगभग 1900 पशु रखे गए हैं, जिन्हें बछड़ों, दुधारू गायों, बीमार पशुओं आदि के आधार पर अलग-अलग बाड़ों में रखा गया है। कलक्टर ने इन पशुओं की स्थिति, स्वास्थ्य और स्वच्छता की समीक्षा करते हुए उनके रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। चारे की गुणवत्ता, पानी व गर्मी से बचाव की व्यवस्था पर विशेष जोर। कलक्टर समारिया ने पशुओं को दिए जा रहे चारे की गुणवत्ता और मात्रा की गहन समीक्षा की और निर्देश दिए कि चारा पोषक तत्वों से भरपूर होना चाहिए ताकि पशुओं की सेहत उत्तम बनी रहे। उन्होंने गर्मी से बचाव हेतु की गई छायादार व्यवस्था, पंखों आदि की कार्यक्षमता का भी निरीक्षण

किया और कहा कि भीषण गर्मी में पशुओं के लिए शीतल छाया और पर्याप्त पानी की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए।

बीमार पशुओं की व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली

कलक्टर ने बीमार पशुओं को सामान्य पशुओं से अलग रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुओं के इलाज के लिए आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, गौशाला में कार्यरत पशु चिकित्सक, कंपाउंडर तथा उनके नियमित आने की उपस्थिति रजिस्टर की भी जानकारी ली। टीकाकरण की अद्यतन स्थिति, बीमारी की रोकथाम और पशुओं की समय-समय पर स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था पर आवश्यक निर्देश दिए।

उत्पादों की बिक्री प्रक्रिया की भी जानकारी ली

निरीक्षण के दौरान कलक्टर समारिया ने गौशाला से प्राप्त होने वाले दूध, घी आदि उत्पादों की बिक्री प्रक्रिया, पारदर्शिता और उससे होने वाली आय की उपयोगिता के संबंध में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि गौशाला को हाल ही में 75 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। कलक्टर ने इस अनुदान के पारदर्शी और पशुओं के हित में उपयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अनुदान का समुचित उपयोग पशुओं की भलाई, उनकी देखभाल और बुनियादी सुविधाओं के विकास में किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक व्यय का लेखा-जोखा स्पष्ट रूप से रखा जाए।

कार्मिकों की समस्याओं पर संवाद

गौशाला में कार्यरत कार्मिकों से संवाद करते हुए कलक्टर समारिया ने उनके मानदेय, कार्यस्थिति और अन्य समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त पात्र कार्मिकों को ईएसआई कार्ड प्रदान किया जाए ताकि वे स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा जिला कलक्टर ने तबीजी में की जनसुनवाई

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को तबीजी में जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में ग्रामीणों से संवाद करते हुए जिला कलक्टर ने उनकी समस्याएं सुनीं और विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 22 परिवेदनाएं प्राप्त हुईं। इनमें से मौके पर 3 परिवेदनाओं का निस्तारण किया गया। जनसुनवाई के दौरान पेयजल सप्लाई का प्रेशर जांचने के निर्देश दिए। नरेगा की औसत मजदूरी बढ़ाने के लिए कार्य पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थानीय गौशाला

के पंजीयन में सहयोग करने के लिए भी कहा। आबादी भूमि विस्तार पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा अनुसार ग्रामीण अंचलों की समस्याओं का समाधान करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से दौरे करें और जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी पदमा देवी, तहसीलदार ओम सिंह लखावत, सरपंच राजेन्द्र गेना सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कार्मिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

माथुगामडा पाल अंत्योदय संबल शिविर में स्वास्थ्य को मिला आधार

-250 आयुष्मान भारत कार्ड का वितरण कर किया लाभान्वित

डूंगरपुर(रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर पाल माथुगामडा में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 250 आयुष्मान भारत कार्डों का वितरण कर लाभांवित किया गया। पंचायत समिति डूंगरपुर की ग्राम पंचायत पाल माथूगामडा में समाजसेवी बंसीलाल कटारा के मुख्य आतिथ्य एवं समाजसेवी महेश पाटीदार के विशिष्ट आतिथ्य तथा सरपंच आशा देवी कटारा की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बंसीलाल कटारा ने 250 आयुष्मान भारत योजना अन्तर्गत आयुष्मान कार्डों का वितरण कर लाभार्थियों को लाभान्वित किया। इस अवसर पर उन्होंने 15 विभागों द्वारा किये जाने वाले कार्यों एवं केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का पात्रता के अनुसार लाभ प्रदान करने का आव्हान किया। शिविर प्रभारी ने बताया कि शिविर में सीमा ज्ञान के दो प्रकरण,

एक रास्ता विवाद निस्तारण, दो आपसी सहमति से बंटवारा, दो सामाजिक सुरक्षा अन्तर्गत पेंशन का हाथों हाथ निस्तारण किया गया। इसके अलावा दो बिजली के झूलते तारों को कसवाना, 10 विद्त पोल सही करवाना, 11 विद्त तारो के समीप वृक्ष कटाई करवायी गई। तीन हेण्डपम्प मरम्मत, 18 मृदा सेम्पल लिये गये तथा एक मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण, खाद्य सुरक्षा योजना में 180 ईकेवाईसी, 40 आधार सिडींग कार्य, 220 पशुओं का टीकाकरण किया गया। शिविर रहमान, शिविर प्रभारी श्याम सुंदर पाटीदार, समाजसेवी बाबूलाल कटारा, गिरदावर भगवान पाटीदार, ग्राम विकास अधिकारी योगपाल सिंह, कनिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश चौबीसा, पटवारी कपिल प्रजापत, कृषि पर्यवेक्षक निलेश हडात, पशुपालन विभाग, चिकित्सा विभाग एवं संपूर्ण विभाग के कर्मचारी अधिकारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन सूर्य प्रकाश चौबीसा तथा आभार बाबूलाल कटारा ने व्यक्त किया किया।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान से बढ़ी जल संरक्षण के प्रति जागरूकता

-जिले में 279.47 लाख रुपये के 29 विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। जल संरक्षण को बढ़ावा देने और परंपरागत् जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सकारात्मक सोच के कारण 5 से 20 जून तक प्रदेश में आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जल संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं जन भागीदारी सुनिश्चित कर प्राचीन बावड़ियों, तालाबों, तलाई, पोखर आदि के संरक्षण के उद्देश्य में कामयाब रहा। अभियान के तहत कलश यात्रा, प्रभात फेरी, जल पूजन, सांस्कृतिक सन्ध्या, पौधारोपण एवं सफाई, जल संरक्षण की शपथ, साईकिल रैली सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन से आमजन में जागरूकता आई।

अभियान अंतर्गत प्रमुख कार्य

•अभियान के अंतर्गत कोटा जिले में 279.47 लाख रूपये की लागत के 29 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया तथा 20 लाख रूपये की लागत वाले दो कार्यों का भूमि पूजन किया गया।

•ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा अभियान के दौरान 13 अमृत सरोवरों का शिलान्यास किया गया।

•जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा ग्राम पंचायत झालरी में 176.83 लाख रूपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। साथ ही, करीब 10 लाख रूपये के बावड़ी जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया गया। ग्राम पंचायत बालूहेड़ा में 82.80 लाख रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया।

•विभाग द्वारा 23 हेक्टेयर क्षेत्र में फलदार पौधारोपण तथा 6 हेक्टेयर क्षेत्र में छायादार पौधारोपण किया गया है। विभाग द्वारा कृषकों को 280 स्प्रे मशीन, 110 ठान एवं 1000 लोगों को सोयाबीन बीज वितरण किया गया।

•प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनांतर्गत ग्राम पालाहेड़ा में महादेव मंदिर के पास 10 लाख रूपये के वृक्ष कुंज कार्य का शिलान्यास किया गया।

•ग्राम पंचायत देवली के गरड़ाना में 19.84 लाख रूपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया।

•हरियालो राजस्थान के अंतर्गत महात्मा गांधी नरेगा में जिले के लक्ष्य 313000 पौधारोपण के लिये 150000 गड्ढे खोदे गये। ग्राम पंचायत मोड़क, कनवास एवं कुन्दनपुर में नर्सरी स्थापित की गई।

पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता गतिविधियां

•सुल्तानपुर पंचायत समिति के बुढ़ादीत स्थित सूर्य मंदिर तालाब पर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। जिले की पांचों पंचायत समितियों में कलशयात्रा, श्रमदान एवं लोकार्पण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

•पखवाड़े के तहत 575 जल संग्रहण संरचनाओं का अवलोकन किया गया। तुलसी के पौधों का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.1 अंतर्गत पूर्ण कार्यों का अवलोकन किया।

•इटावा पंचायत समिति क्षेत्र के कैथूदा में झेर का बालाजी चंबल नदी किनारे जल पूजन, पौधारोपण व जन जागरूकता रैली आयोजित की गई।

•सेवन वंडर्स पार्क में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

•अभियान के तहत जिले के 776 गांवों में जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

•जिंद बाबा वाली बावड़ी रिनोवेशन कार्य का शुभारंभ किया गया।

•'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान पखवाड़े के अंतर्गत खीमच में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा जनसुनवाई के दौरान जल संरक्षण की शपथ दिलाई। कृषि विभाग के तत्वावधान में झालीपुरा एवं गादिया में संकल्प यात्राएं निकाली गई एवं लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

•अभियान के तहत नए पूर्ण कार्यों का लोकार्पण तथा नहरों एवं खाळों की जल उपयोगिता संगम एवं कृषकों के सहयोग से साफ-सफाई की गई। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तत्वावधान में पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई की गई। जल बचत के लिए जन जागृति कार्यक्रम किए गए तथा जल परीक्षण अभियान आयोजित किया गया।

•पखवाड़े के अंतर्गत जिले के प्रभारी एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक द्वारा सांगोद उपखंड के लक्ष्मीपुरा गांव में अटल भूजल योजना के तहत 1.40 करोड़ की लागत से निर्मित तालाब का निरीक्षण किया गया।

"भविष्य की उड़ान" कार्यक्रम से प्रेरित होकर भेड़ोली विद्यालय को जनसहयोग से मिलेगा

-5 लाख रुपए का विकास अनुदान

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर कानाराम के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा जिले में संचालित अभिनव कार्यक्रम "भविष्य की उड़ान" निरंतर सकारात्मक परिणाम दे रहा है। शिक्षा विभाग, ग्रामवासियों एवं भामाशाहों के सामूहिक प्रयास से भविष्य की उड़ान कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं भौतिक विकास का सशक्त उदाहरण बन रहा है। इसी प्रेरणा से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भेड़ोली के स्टाफ एवं ग्रामवासियों ने मिलकर 2 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना के तहत विद्यालय के आधारभूत ढांचे के विकास हेतु एकत्रित की है। यह राशि समग्र शिक्षा जिला कार्यालय को प्राप्त हो चुकी है। उक्त राशि का चेक जिला कलक्टर कानाराम को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा एवं एडीपीसी दिनेश कुमार गुप्ता की उपस्थिति में विद्यालय के प्रधानाचार्य चिरंजी

लाल मीणा द्वारा सुपर्द किया। कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा हेमराज मीना ने बताया कि विद्यालय विकास हेतु जन सहयोग से एकत्रित 2 लाख रुपए के साथ राज्य सरकार द्वारा मुख्य मंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजनामद के रूप में 60 प्रतिशत अंशदान 3 लाख रुपए अतिरिक्त अनुदान के रूप में विद्यालय की मिलेंगे। इस प्रकार कुल 5 लाख रुपए की राशि विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति के माध्यम से विद्यालय में फर्नीचर क्रय, भवन मरम्मत, बाउंड्री वॉल निर्माण, विद्यालय सौंदर्यकरण सहित अन्य भौतिक विकास कार्यों में उपयोग की जाएगी। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने, विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। "भविष्य की उड़ान" कार्यक्रम के माध्यम से न केवल विद्यालयों में संसाधनों की उपलब्धता बढ़ रही है, बल्कि जनसहभागिता की भावना भी सशक्त हो रही है।

हरियालों राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण किया

-राउमावि दन्तुजला में एक पेड़ मां के नाम

सीकर,(रॉयल पत्रिका)। उपखंड के गांव दन्तुजला की राउमावि में प्रधानाचार्य जयप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम व हरियालों राजस्थान अभियान के अन्तर्गत विद्यालय प्रांगण को हरा-भरा रखने के कार्यक्रम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुरेश कुमार कस्वां, कमला फैनिन, सुरेश पचार, राजेश बियाणी, विनोद रुहेला, संतरा सरावग, रघुवीर महरिया, कमला ढूकिया, कमला जाखड़, सुमित्रा चौधरी, ताराचन्द सुण्डा सहित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों द्वारा पौधरोपण किया गया। ब्लॉक पौधरोपण प्रभारी सुरेश कुमार भास्कर ने बताया कि इस अवसर पर नीम, पीपल, गुडहल, कढिपत्ता, बकान,

शीशम तथा गुलाब के करीब 120 पौधे लगाकर उनकी ब्लॉक जियोटेकिंग भी की गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जयप्रकाश शर्मा ने अभियान के बारे में बताते हुए पर्यावरण को बचाने का आह्वान किया तथा धन्यवाद दिया। उप प्राचार्य बनवारीलाल ढूकिया ने विद्यालय स्टॉफ के सदस्यों तथा विद्यार्थियों को अलग-2 पौधे की देखभाल, खाद पानी देने की जिम्मदारी सौंपी व आभार व्यक्त किया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश आवेदन हेतु आमंत्रित

-अंतिम तिथि 29 जुलाई

चूरू, 09 जुलाई। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय, सरदारशहर में कक्षा 6वीं में सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्राचार्य हरीश कुमार मीणा ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई, 2025 है। जिले के सभी सरकारी, गैर सरकारी तथा मान्यता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा में केन्द्र सरकार के नियमानुसार छात्र-छात्राओं का आरक्षण आरक्षित होगा। उन्होंने कक्षा 6 के लिए सत्र 2026-27 में चूरू जिले में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत वह छात्र-छात्राएं जिनका जन्म 01.05.2014 से 31.07.2016 (दोनों दिनांक सम्मिलित) के बीच हुआ है, वह आवेदन करने के पात्र होंगे। आवेदक ऑनलाइन आवेदन करने के लिए https://www.navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/CHURU/en/home/ अथवा नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाईट का प्रयोग कर सकते है। किसी प्रकार की सहायता हेतु मोबाइल नंबर 9784075751, 9414743594, 7357900409 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

बड़े बाल और दाढ़ी वाले लुक में नजर आए बॉबी

मुंबई। अपने अलग-अलग किरदारों और लुक्स से लोगों को चौंकाने वाले बॉबी देओल इन दिनों पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरमल्लु में औरंगजेब के अपने किरदार को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बीच अब बॉबी देओल की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं। ये तस्वीरें किसी फिल्म के सेट की हैं। इन तस्वीरों में बॉबी देओल लंबे बालों और दाढ़ी-मूछ वाले लुक में नजर आ रहे हैं। वायरल तस्वीरों में बॉबी पर्पल कलर के आउटफिट में दिख रहे हैं। जिसमें वो शर्ट के साथ लॉन्ग जैकेट डाले हुए हैं। इन तस्वीरों में बॉबी देओल हाथों में कड़े के साथ कुछ धागे और बैंड जैसे पहने भी दिख रहे हैं।

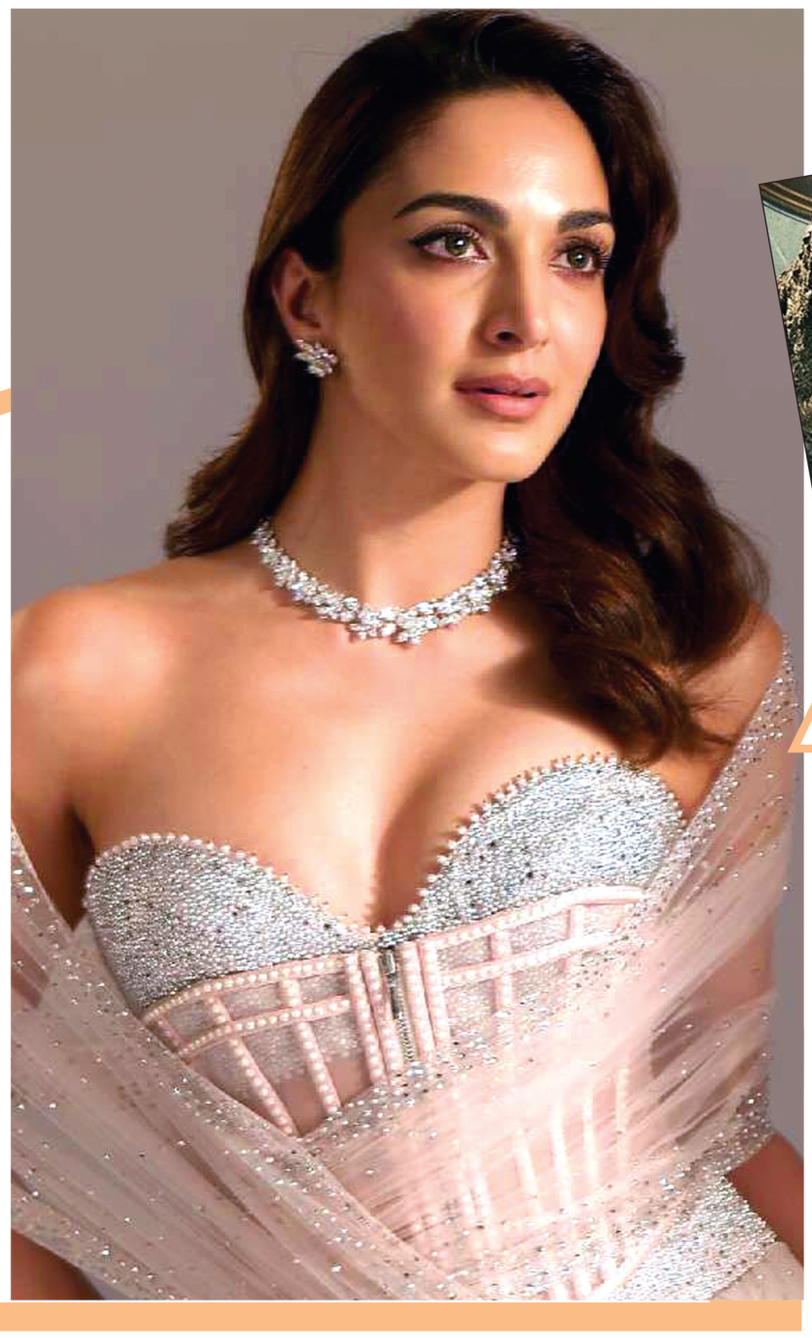

लाइफ Style

कियारा

वॉर-2 को लेकर उत्साहित, नहीं हो रहा इंतजार

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी की फिल्म 'वॉर 2' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और पहली बार जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का पर्दे पर क्लैश देखने के लिए दर्शक खासा उत्साहित हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। जिसके बाद अभिनेता ऋतिक रोशन ने फिल्म की शूटिंग पूरे होने पर फिल्म के अपने अनुभवों को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया था। इसमें उन्होंने अपने को-एक्टर्स जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी का भी जिक्र किया था। अब अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भी फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है और फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर एक पोस्ट शेयर किया है। कियारा ने अपने एक्स अकाउंट पर ऋतिक की पोस्ट को ही री-शेयर किया है। इसके साथ ही कियारा ने लिखा, उत्साह दोनों का एक जैसा ही है ऋतिक। आपके साथ स्क्रीन शेयर करना एक यादगार अनुभव रहा, जिसे कभी भूला नहीं जा सकता। आदी सर, तारक और हमारी शानदार टीम ने जो अद्भुत तैयार किया है, उसे लोगों के सामने लाने का इंतजार नहीं हो रहा। अपनी इस पोस्ट में कियारा ने ऋतिक और जूनियर एनटीआर को मेंशन भी किया है। इससे पहले ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर केक काटते हुए एक फोटो शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक खास नोट भी लिखा था।

हॉलीवुड मसाला

जुरासिक वर्ल्ड... दर्शकों को

आ रही पसंद

मुंबई। जुरासिक पार्क सीरीज की फ्रैंचाइज फिल्म 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' का क्रेज भारतीय दर्शकों के बीच भी देखा जा रहा है। पिछले पांच दिनों में इस फिल्म ने हालिया रिलीज बॉलीवुड फिल्मों से अच्छा कलेक्शन किया है। फिल्म ने 5वें दिन 2.77 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। फिल्म का कुल कलेक्शन भी 45.87 करोड़ रुपए हो चुका है। फिल्म ने पहले दिन भी लगभग 9.25 करोड़ रुपए से अपना खाता खोला था। वीकएंड पर तो इस फिल्म ने जबरदस्त कमाई की। शनिवार को 13.5 करोड़ रुपए और रविवार को 16.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है।

जूलिया की तस्वीरें देख दीवाना हुए फैन...

लॉस एंजिल्स। सिनमाई पर्दे के नए 'मैन ऑफ स्टील' डेविड कोरेंसवेट चर्चा में हैं। वह 'सुपरमैन' बनकर शुक्रवार, 11 जुलाई को सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाने की तैयारी कर रहे हैं। जेम्स गन के डायरेक्शन में बनी डीसी के इस फिल्म का लॉस एंजिल्स के टीसीएल चाइनीज थिएटर में प्रीमियर हुआ। इस दौरान, जहां एक ओर चर्चा फिल्म और इसी कास्ट की थी, वहीं हर किसी की नजर डेविड कोरेंसवेट की पत्नी जूलिया बेस्ट वार्नर पर टिकी हुई थी। जूलिया की खूबसूरती, उनकी मुस्कान, पूरे प्रीमियर के दौरान चर्चा में रही। सोशल मीडिया पर हर फिल्मी फैन की जुबान पर अब इसी हसीना का नाम है। डेविड कोरेंसवेट की तरह ही जूलिया भी एक्ट्रेस हैं। दोनों की पहली पेंसिल्वेनिया में एक थिएटर कार्यक्रम में हुई थी। तब दोनों ही हाई स्कूल में थे।

शेयर की द वाइब्स की मुहूर्त की तस्वीर

मुंबई। बुधवार को मौनी रॉय ने मधुर भंडारकर के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। यह तस्वीर इसलिए खास है क्योंकि इसमें मौनी अपने हाथ में द वाइब्स के मुहूर्त का क्लैप बोर्ड पकड़े नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर मौनी रॉय ने अपनी खास तस्वीर निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर के साथ शेयर की है। इस तस्वीर में मौनी ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। वहीं मधुर भंडारकर सिंपल अंदाज में चेहरे पर मुस्कान बिखेरते नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ मौनी ने कैप्शन में लिखा, 'इस नई फिल्म के पहले दिन को लेकर मैं सचमुच उत्साहित हूं, और खुद उस्ताद के साथ इसे बनाने के लिए आभारी हूं। मौनी और मधुर की इस शानदार शुरुआत को लेकर निर्माता-निर्देशक एकता कपूर ने लाल दिल वाले इमोजी बनाई हैं।

एक साथ करेंगे काम इमरान और हिमेश

मुंबई। हिमेश रेशमिया और इमरान हाशमी की जोड़ी ने बॉलीवुड को कई बेहतरीन गाने और थ्रिलर फिल्में दीं हैं। अब यह जोड़ी एक बार फिर 'गनमास्टर जी9' में साथ में काम करने को तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को इसका टीजर रिलीज किया है। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं। फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक रहस्यमई हाथ एक दूध भरी बाल्टी से निकलता है। इस दौरान इमरान हाशमी कहते हैं। 'मुझसे मचमच किया तो चलेगा। गलती से परिवार को छुआ तो याद रखना। धंधे से दूध वाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं।' इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है 'दूध से बारूद तक, सब्जी से गुंडा तक, गोली से पीटने तक, गनमास्टर जी9 तबाही के लिए तैयार है।

टीवी मसाला

फुलेरा के प्रधान पर पत्नी ने लगाए गंभीर आरोप...

नई दिल्ली। रघुबीर यादव को 'पंचायत' ने वो दिया है, जो उन्हें उनके 40 साल के कॅरियर में नहीं मिला...और वो है घर-घर पहचान। आज हर कोई रघुबीर यादव को उनके किसी फिल्मी किरदार से ज्यादा प्रधान जी के नाम से जानता है। रघुबीर यादव के कॅरियर और फिल्मों के बारे में तो लगभग सभी जानते हैं। वह एक एक्टर ही नहीं, बल्कि सिंगर, म्यूजिक कंपोजर और डायरेक्टर भी हैं। पर उनकी निजी जिंदगी भी खूब सुर्खियों में रही है। रघुबीर यादव पर एक बार पत्नी ने संजय मिश्रा की पत्नी संग अफेयर और 14 साल का बेटा होने के आरोप लगाए थे। बाद में उनका तलाक हो गया। रघुबीर यादव ने साल 1988 में पूर्णिमा खरगा से शादी की थी, जोकि एक इंटरनेशनल कथक डांसर रही है। पूर्णिमा ने रघुबीर यादव पर एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। यही नहीं, पूर्णिमा ने यह भी दावा किया था कि रघुबीर यादव का एक्ट्रेस नंदिता दास के साथ भी चक्कर चल रहा है। पूर्णिमा ने साल 2020 में एक इंटरव्यू में पति रघुबीर यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। पूर्णिमा ने कहा था कि रघुबीर का एक्टर संजय मिश्रा की पत्नी रोशनी अचरेजा के साथ अफेयर चल रहा है। रोशनी और अचरेजा का 14 साल का एक बेटा भी है। पूर्णिमा के मुताबिक, गोरेगांव शिफ्ट होने के बाद रघुबीर यादव उसी बिल्डिंग में रहने लगे थे, जिसमें संजय मिश्रा रहते थे। रघुबीर यादव अकसर ही संजय के घर जाते और उनकी रोशनी अचरेजा से दोस्ती हो गई।

सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 की रिलीज डेट बदली

नई दिल्ली। हाल ही में अभिनेता केके मेनन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह जानकारी दे रहे हैं कि तय तारीख पर सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' का प्रीमियर नहीं होगा। अब 'स्पेशल ऑप्स 2' 11 जुलाई की बजाय 18 जुलाई को रिलीज होगा। कुछ चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होती है, इसलिए हमें यह फैसला लेना पड़ा है। मगर दर्शकों को एक साथ ही सभी एपिसोड देखने को मिलेंगे। यह सीरीज जीयोहॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी। स्पेशल ऑप्स 2 में भी स्पेशल एजेंट हिम्मत सिंह अपनी टीम के साथ आतंकवादियों का मुकाबला करेगा। इस बार इंटरनेशनल लेवल का मिशन हिम्मत सिंह हैंडल करेगा। नीरज पांडे निर्देशित इस सीरीज में इस बार साउथ के पॉपुलर एक्टर प्रकाश राज भी नजर आएंगे। प्रकाश राज, केके मेनन के अलावा इस सीरीज में करण टैकर, फारुक अली भी नजर आएंगे। ये भी सीरीज में स्पेशल एजेंट्स के रोल में नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

गुरु दत्त के 100वें जन्मदिन का जश्न

आईएफएफएम करेगा भारत में विशेष फिल्म स्क्रीनिंग

नई दिल्ली। मेलबर्न में होने वाले भारतीय फिल्म महोत्सव 2025 में गुरु दत्त की दो मशहूर फिल्में- प्यासा और कागज के फूल की विशेष स्क्रीनिंग होगी। यह आयोजन भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम युग को श्रद्धांजलि देने का हिस्सा है।

आईएफएफएम की निदेशक मीतू भौमिक लांगे ने कहा, गुरु दत्त की फिल्में न केवल क्लासिक हैं, बल्कि भारतीय सिनेमा की आत्मा को दर्शाती हैं। हम उनकी प्रतिभा को नए दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं।

गुरु दत्त की फिल्मों का खास प्रदर्शन : खासतौर पर भारत में 8 से 10 अगस्त तक अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा गुरु दत्त की फिल्मों का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें प्यासा के 4के रीस्टोर्ड संस्करण के साथ आर पार, चौदहवीं का चांद, मिस्टर एंड मिसेज 55, और बाज जैसी फिल्में शामिल होंगी। ये फिल्में एनएफडीसी-एनएफएआई द्वारा सावधानी से रीस्टोर की गई हैं, ताकि उनकी खूबसूरती और भावनाएं बरकरार रहें।

धरोहर को संरक्षित करना है उद्देश्य

अल्ट्रा मीडिया के सीईओ सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, 'हमें गर्व है कि हम गुरु दत्त की कालजयी फिल्मों को बड़े पर्दे पर फिर से पेश कर रहे हैं।' एनएफडीसी के निदेशक प्रकाश मगदुम ने बताया कि यह प्रयास राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय सिनेमा की धरोहर को संरक्षित करना है। गुरु दत्त की फिल्में, जैसे साहिब बीबी और गुलाम और सांझ और सवेरा, आज भी दर्शकों को प्रेरित करती हैं।

सिद्धांत और तृप्ति की फिल्म धड़क 2 का पोस्टर हुआ जारी

मुंबई। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की बहुप्रतीक्षित फिल्म धड़क 2 का ट्रेलर जल्द ही आने वाला है। फिल्म के मेकर्स ने इसका ऐलान बुधवार को किया है। इस फिल्म का निर्देशन शाजिया इकबाल कर रही हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई फिल्म धड़क का रीमेक है। फिल्म को राहुल बडवेल्कर के साथ मिलकर शाजिया इकबाल ने लिखा है। फिल्म निर्माताओं ने बताया है कि धड़क 2 का ट्रेलर 11 जुलाई को रिलीज होगा। मेकर्स ने सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की नई फिल्म के पोस्टर का अनावरण भी किया है। पोस्टर पर लिखा हुआ है 'मरने और लड़ने में से एक को चुनना हो तो लड़ना। इसके बाद लिखा है ट्रेलर इस शुक्रवार को आएगा। पोस्टर में फिल्म की रिलीज की तारीफ भी बताई गई है। यह फिल्म साल 2018 में आई ईशान खट्टर की फिल्म 'धड़क' की रीमेक है। जो साल 2016 में रिलीज हुई मराठी फिल्म सैराट की सीक्वल थी। इसका निर्देशन नागराज मंजुले ने किया था। बताया जाता है कि हाल ही में 16 कट के बाद धड़क 2 को यूए सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म में गालियों को म्यूट किया गया है और सवर्ण शब्द के इस्तेमाल को हटा दिया गया है।

'द हंट- द राजीव गांधी असेसिनेशन केस' रिलीज के बाद से बनी हुई है चर्चाओं में

राजनीतिक घटनाक्रमों पर आधारित हैं ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। नागेश कुकुनूर की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द हंट - द राजीव गांधी असेसिनेशन केस' अपनी रिलीज के बाद से लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्याकांड पर आधारित इस सीरीज को समीक्षकों द्वारा काफी सराहा जा रहा है। हालांकि, 'द हंट - द राजीव गांधी असेसिनेशन केस' से पहले भी राजीव गांधी हत्याकांड समेत कई राजनीतिक मुद्दों पर फिल्में व सीरीज बन चुकी हैं।

मद्रास कैफे : शूजित सरकार द्वारा निर्देशित 'मद्रास कैफे' भी राजीव गांधी के हत्याकांड पर ही आधारित है। 2013 में आई इस फिल्म में जॉन अब्राहम और नरगिस फाकरी ने प्रमुख भूमिका निभाई है। फिल्म में 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में श्रीलंका के गृहयुद्ध में भारतीय हस्तक्षेप और भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के समय की कहानी को दिखाया गया है।

इमरजेंसी : कंगना रनौत द्वारा निर्देशित और उनकी मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'इमरजेंसी' 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में लगाई गई इमरजेंसी पर आधारित है। फिल्म में इमरजेंसी से पहले और बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों को दिखाया गया है। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई थी। फिल्म में कंगना रनौत के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, सतीश कौशिक और मिलिंद सोमण प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

केसरी 2 : इसी साल रिलीज हुई अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे की फिल्म 'केसरी 2' जलियांवाला बाग कांड पर आधारित है। इस फिल्म में 13 अप्रैल 1919 को हुए जलियांवाला बाग गोली कांड को दिखाया गया है। जो देश के इतिहास का सबसे बड़ा नरसंहार है। फिल्म में शंकरन नायर की अंग्रेजों के खिलाफ कानूनी लड़ाई को दिखाया गया है।

ग्रहण : त्य व्यास की किताब चौरासी पर आधारित वेब सीरीज ग्रहण में भी 1994 में हुए सिख दंगों को दिखाया गया है। जियो हॉटस्टार पर मौजूद इस सीरीज में एक परिवार की कहानी को दिखाया गया है। जो 84 के दंगों में पीड़ित होते हैं और उसके बाद उनके परिवार पर क्या असर पड़ता है, ये सब इस सीरीज में देखने को मिलता है।

जोगी : *दिलजीत दोसांझ की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'जोगी' इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए 1984 के सिख दंगों पर आधारित है। फिल्म की शुरुआत 31 अक्टूबर 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के साथ होती है। इसके बाद फिल्म में दिल्ली और देश के अलग-अलग हिस्सों में हुए दंगों की कहानी को दिखाया गया। फिल्म दिल्ली के त्रिलोकपुरी में रहने वाले सिखों पर इस दंगे से पड़ने वाले प्रभाव पर आधारित है। कैसे वो इन दंगों से बचते हैं। इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने निर्देशित किया है। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।*

31 अक्टूबर : *2016 में आई फिल्म '31 अक्टूबर' भी इंदिरा गांधी की हत्या और उसके बाद देश में हुई घटनाओं को दिखाती है। फिल्म में सोहा अली खान और वीर दास प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म का केंद्र सिख दंगों पर है। फिल्म में वीर दास ने एक सिख की भूमिका निभाई है। इस फिल्म का निर्देशन शिवाजी लोटन पाटिल ने किया है।*

खबर संक्षेप

भारत के एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पर्धाओं में से एक रेस अराउंड पोलैंड (आरएपी) में 10 दिनों से भी कम समय में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। ग्वाइट ने 3,600 किलोमीटर की दूरी 237 घंटे (नौ दिन, 21 घंटे) में पूरी करके 274 घंटे के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को तोड़ा। इस स्पर्धा में 60 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय अल्ट्रा-साइकलिस्टों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अकेले और बिना किसी सहायता के प्रतिस्पर्धा की। कोई टीम कार और कोई बाहरी सहायता नहीं थी। आरएपी को यूरोप की सबसे कठिन अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिंग स्पर्धाओं में से एक माना जाता है और यह 'रेस अक्रॉस अमेरिका' के लिए एक क्वालीफायर है।

29 अगस्त से शुरू होगा प्रो कबड्डी लीग

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आयोजकों ने बुधवार को घोषणा की कि इसका 12वां चरण 29 अगस्त से शुरू होगा। नए सत्र में मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स अपने खिताब का बचाव करने की कोशिश करेगी। आयोजकों ने कहा, 'हाल में संपन्न नीलामी से सभी 12 फ्रेंचाइजी ने अपनी टीमों को मजबूत किया है और आगामी सत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी, जिससे दर्शकों का मनोरंजन होगा।' लीग के आयोजक ने कहा कि मैचों के लिए स्थलों और अन्य चीजों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। लीग के 12वें सत्र की नीलामी 31 मई और एक जून को मुंबई में हुई, जिसमें रिकॉर्ड 10 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपए से अधिक के अनुबंध हासिल किए।

26 दिसंबर से शुरू होगा एसए20 , फाइनल 25 जनवरी को

जोहानिसबर्ग। एसए20 के आयोजकों ने बुधवार को कहा कि लीग के चौथे सत्र की शुरुआत 26 दिसंबर को न्यूलैंड्स में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस केप टाउन और डरबन के सुपर जायंट्स के बीच 'बॉक्सिंग डे' मुकाबले के साथ होगी, जिसका फाइनल 25 जनवरी को होगा। फिर अगले दिन 27 दिसंबर को सत्र का पहला 'डबल-हेडर' (एक दिन में दो मुकाबले) होगा, जिसमें सेंचुरियन प्रिटोरिया कैपिटल्स और जोबर्ग सुपर किंग्स के बीच एक विशेष मुकाबले की मेजबानी करेगा जबकि पार्ल रॉयल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप बोलैंड पार्क में भिड़ेंगे।

मुक्केबाजी के राष्ट्रीय शिविर में निजी कोच को अनुमति नहीं

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) का कामकाज देख रही अंतरिम समिति ने बुधवार को आधिकारिक राष्ट्रीय शिविरों में निजी कोच और सहायक कर्मचारियों को अनुमति नहीं देने की लंबे समय से चली आ रही अपनी नीति को दोबारा लागू किया। भारतीय पुरुष और महिला मुक्केबाजों ने हाल में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। भारत ने ब्राजील में विश्व मुक्केबाजी कप में छह पदक और इस साल की शुरुआत में अस्ताना में महिला वर्ग में तीन स्वर्ण सहित रिकॉर्ड 11 पदक जीते।

आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग : कैरियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग पर पहुंचे गिल

एजेंसी ▶▶ दुबई

शुभमन 23वें स्थान से 15 पायदान की छलांग लगाकर सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंचे

भारतीय कप्तान शुभमन गिल एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद अपने करियर में पहली बार बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल हो गए।

गिल ने मैच में 269 और 161 रन की पारी खेली थी, जिससे वह टेस्ट की दोनों पारियों में 150 से अधिक रन बनाने वाले इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 336 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। भारतीय टेस्ट कप्तान के रूप में यह उनकी पहली जीत भी थी। श्रृंखला से पहले 24 वर्षीय शुभमन 23वें स्थान पर थे और बुधवार को जारी आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में 15 पायदान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गए।

एजबेस्टन में 430 रन से उन्होंने अभी तक दो टेस्ट में कुल 585 रन बना लिए हैं। अभी श्रृंखला में तीन मैच और खेले जाने हैं। गिल के करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 14 थी जो उन्होंने सितंबर 2023 में हासिल की थी।

वनडे में गिल बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

वहीं वनडे में गिल बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि श्रीलंका के चरित असलंका (छठे स्थान पर) और कुसल मेंडिस (10 पायदान के फायदे से 10वें स्थान पर) ने बांग्लादेश पर 2-1 से श्रृंखला जीत के बाद छलांग लगाई है। श्रृंखला में नौ विकेट लेने के बाद वानिंदु हसरंगा एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में 11 पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह भले ही कार्यभार प्रबंधन के कारण एजबेस्टन मैच में नहीं खेल पाए हो लेकिन इसके बावजूद टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष पर बने हुए हैं। मोहम्मद सिराज अच्छे प्रदर्शन के बाद छह पायदान चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए जबकि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ और अल्जारी जोसेफ को भी फायदा मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रुक ने एजबेस्टन में पहली पारी में 158 रन बनाकर टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में फिर से नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है। जो रूट दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे स्थान पर हैं।

जायसवाल चौथे और स्मिथ पांचवें स्थान पर

भारत के यशस्वी जायसवाल चौथे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं। गिल अब ब्रुक से केवल 79 रेटिंग अंक पीछे हैं। इंग्लैंड के विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नाबाद 184 और 88 रन बनाने के बाद 16 पायदान के फायदे से करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग (10वां स्थान) हासिल की और शीर्ष 10 में जगह बनाई। दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की पारी की बदौलत 34 पायदान चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए। मुल्डर टेस्ट ऑलराउंडर सूची में भी तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि भारत के रविंद्र जडेजा अब भी शीर्ष पर बने हुए हैं।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट और भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच जीता, 5 मैच की सीरीज बराबरी पर

बुमराह की वापसी से मेजबान टीम के बल्लेबाजों का होगा इम्तेहान

लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण पिच पर होगी बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▶▶ लंदन

मैच भारतीय समयानुसार आज दोपहर 3:30 पर शुरू होगा

शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों को इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में लॉर्ड्स की चुनौती पूर्ण पिच पर सफलता हासिल करने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार करना होगा जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी से मेजबान टीम के बल्लेबाजों की भी कड़ी परीक्षा होगी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट जबकि भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट मैच जीता था और इस तरह से पांच मैच की सीरीज अभी बराबरी पर है। भारत की दूसरे मैच में 336 रन से जीत के बाद हालांकि समीकरण काफी बदल गए हैं। भारत ने अभी तक दोनों मैच में अधिकतर समय अपना दबदबा बनाए रखा है और अगर उसने पहले टेस्ट मैच में कुछ कैच नहीं छोड़े होते और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया होता तो वह सीरीज में 2-0 से आगे होता।

शर्मा और कोहली की नहीं खली कमी

नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम की अनुभवहीनता को देखते हुए लग रहा था कि इंग्लैंड की टीम उस पर हावी रहेगी लेकिन अभी तक जिस तरह से भारत ने प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए उसे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खली, जिन्होंने इस सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इससे भारत की मजबूत बेंच स्ट्रेंथ का भी पता चलता है। गिल एंड कंपनी के बनाए गए रनों के पहाड़ ने बेन स्टोक्स की सपाट पिच तैयार करके विपक्षी टीम को मुकाबले से बाहर करने की रणनीति पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया। सपाट पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की जबरदस्त सफलता मेजबान टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुई है। अब उन्हें ऐसे विकेट पर खेलना पड़ सकता है, जिस पर अच्छी सीम मूवमेंट की उम्मीद की जा रही है।

लॉर्ड्स में ऊपर-नीचे जाने वाली ढलान की अनोखी चुनौती

इसके अलावा, प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में ऊपर-नीचे जाने वाली ढलान की अनोखी चुनौती भी है। बुमराह और जोफ्रा आर्चर की वापसी से बल्लेबाजों का काम और कठिन हो जाएगा। आर्चर चार साल में इंग्लैंड के लिए अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं।बल्लेबाजी विभाग में भारतीय टीम के लिए ज़्यादा चिंता की कोई बात नहीं है, सिवाय करुण नायर के फॉर्म के, जो लेंथ से उछलती गेंदों के सामने थोड़े असहज दिखे हैं। इंग्लैंड यशस्वी जायसवाल की शॉर्ट पिच गेंदों से परीक्षा लेने की कोशिश करेगा लेकिन पूरी संभावना है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज रन बनाने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लेगा।

इंग्लैंड ने किया टीम में बदलाव टंग की जगह अब खेलेंगे आर्चर

स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 2021 के बाद से अपने पहले टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं क्योंकि इंग्लैंड ने उन्हें भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश में शामिल किया है। पांच मैचों की श्रृंखला इस समय 1-1 से बराबर है और तीसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड ने आर्चर को टीम में शामिल करके अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की कोशिश की है। वह टीम में जोश टंग की जगह लेंगे। इंग्लैंड की पुरुष टीम ने लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट के लिए अपनी एकादश में एकमात्र यही बदलाव किया है।

संभावित टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साईं सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

इंग्लैंड की अंतिम एकादश

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

आयरलैंड को 6-1 से दी मात

हॉकी : भारत ने जीत के साथ की यूरोप दौरे की शुरुआत

एजेंसी ▶▶ आइंडहोवन(नीदरलैंड)

भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी क्लब ओरांजे-रूड में आयरलैंड को 6-1 से हराकर अपने यूरोपीय दौरे की शानदार शुरुआत की।

भारतीय टीम की तरफ से उत्तम सिंह, अमनदीप लाकड़ा, आदित्य लालगे, सेल्वम कार्थी और बॉबी सिंह धामी ने गोल किए। भारत ने मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा और आयरलैंड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उत्तम ने भारतीय टीम के लिए पहला गोल किया और बाद में अमनदीप ने टीम की बढ़त को और मजबूत कर दिया। इसके बाद आदित्य ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दो गोल दागकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

फॉरवर्ड सेल्वम कार्ति और बॉबी सिंह धामी ने भी एक-एक गोल करके स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। भारतीय रक्षा पंक्ति ने भी अच्छा खेल दिखाया और आयरलैंड के प्रयासों को अच्छी तरह से नाकाम किया। आयरलैंड की टीम केवल एक गोल ही कर पाई। भारत अब फिर से आयरलैंड का सामना करेगा। इसके बाद वह अगले दो सप्ताह में फ्रांस, इंग्लैंड, बेल्जियम और मेज़बान नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा।

■ आदित्य ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दो गोल दागे

दबाव में घबरा गए मुल्डर, गंवा दिया 400 रन बनाने का मौका : गेल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल ने दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर की ब्रायन लारा के नाबाद 400 रन के विश्व रिकॉर्ड टेस्ट स्कोर के करीब पहुंचने के बावजूद पारी घोषित करने के लिए आलोचना करते हुए कहा कि 'वह घबरा गए और गलती कर बैठे। मुल्डर जब 367 रन पर खेल रहे थे और लारा के सर्वोच्च व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर के रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 34 रन पीछे थे ।

क्लब विश्व कप : चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को हराकर बनाई फाइनल में जगह

■ फाइनल रविवार को खेला जाएगा

एजेंसी ▶▶ ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका)

■ जोआओ पेड्रो के शानदार दो गोल से चेल्सी ने किया फाइनल में प्रवेश

जोआओ पेड्रो ने चेल्सी के लिए पहली बार शुरुआत करते हुए अपनी बचपन की टीम के खिलाफ दो गोल दागे, जिससे इंग्लैंड के क्लब ने ब्राजील के क्लब फ्लूमिनेंस को 2-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। चेल्सी की इस जीत से यह भी सुनिश्चित हो गया कि क्लब विश्व कप का विजेता फिर से यूरोप का ही कोई क्लब बनेगा क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल फ्रांस के पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और स्पेन के रियाल मैड्रिड के बीच खेला जाएगा।

चेल्सी की निगाह दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने पर

जोआओ पेड्रो जब 10 साल के थे तब फ़्लुमिनेंस से जुड़ गए थे और 2020 में वाटफोर्ड जाने तक वह इस क्लब की तरफ से खेलते रहे। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने क्लब विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में 18वें और 56वें मिनट में गोल किए और अपने पूर्व क्लब के प्रति सम्मान दर्शाते हुए किसी भी गोल का जश्न मनाने से इनकार कर दिया। वह दो जुलाई को ब्राइटन से चेल्सी में शामिल हुए थे। चेल्सी की निगाह अब दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने पर लगी होगी। उसने इससे पहले 2021 में खिताब जीता था। फाइनल रविवार को खेला जाना है। यूरोपीय टीमें अपना लगातार 12वां और 18 प्रयासों में 17वां खिताब जीतेंगी। एकमात्र अपवाद 2012 में ब्राजील के कोरिंथियंस की चेल्सी पर जीत है।

विंबलडन...

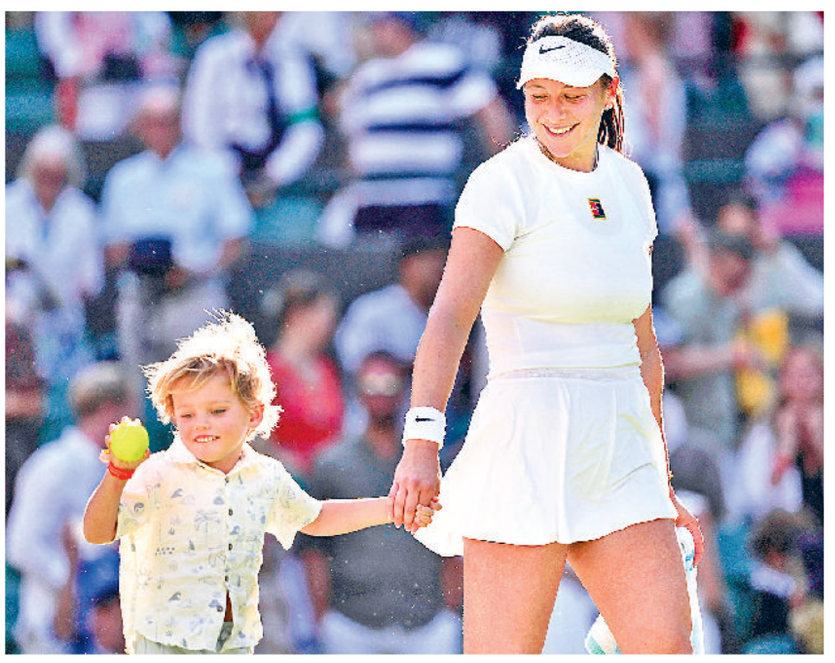

लंदन। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा अपने भतीजे जैक्सन के साथ लंदन में विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप में रूस की अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा के खिलाफ महिला एकल क्वार्टर फाइनल मैच जीतने का जश्न मनाती हुई।

आईपीएल में इस्तेमाल किए गए साल्ट के बल्ले को मिली मंजूरी

लंदन। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट इंडियन प्रीमियर लीग सहित पिछले दो वर्षों से जिस बल्ले का उपयोग कर रहे थे उसे शुरू में मैदान पर गेज परीक्षण में गलत पाया गया था, लेकिन बाद में आगे की जांच के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में लंकाशर की तरफ से खेलने वाले 28 वर्षीय साल्ट ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2025 में 13 मैचों में 403 रन बनाए थे, जो विराट कोहली (15 मैचों में 657) के बाद उनकी टीम के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा रन थे।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर कोहली ने कहा, जब आप हर चार दिन में दाढ़ी रंगते हैं तो समय आ गया है

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय स्टार विराट कोहली ने लंदन में युवराज सिंह के 'फंडरेजर' कार्यक्रम में अपने टेस्ट करियर के संन्यास के बारे में बात करते हुए खूब हंसी मजाक किया और कहा कि 'जब आप हर चार दिन में दाढ़ी रंगते हैं तो मतलब है कि समय आ गया है'।

कोहली अब लंदन में रहते हैं। वह हाल में विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में दिखाई दिए, जिसमें वह भूरे रंग के सूट में काफी स्टाइलिश लग रहे थे। इसके बाद वह तुरंत 'यूवीकैन' कैंसर फंडरेजर (धनराशि जुटाना) कार्यक्रम में पहुंच गए। भारतीय टीम भी इस कार्यक्रम में मौजूद थी और कार्यक्रम के प्रस्तुतकर्ता ने कोहली के टीम का हिस्सा नहीं होने का जिक्र क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड दौरे से पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी। प्रस्तुतकर्ता गौरव कपूर ने कहा, 'मैदान पर हमें आपकी कमी खलती है।'

कोहली टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर ले गए

रवि शास्त्री, क्रिस गेल, केविन पीटरसन और युवराज तब कोहली के बगल में खड़े थे और इस भारतीय सुपरस्टार ने कुछ देर रुककर जवाब दिया, 'मैंने अभी दो दिन पहले ही अपनी दाढ़ी रंगी है। आपको पता है कि जब आप हर चार दिन में अपनी दाढ़ी रंगते हैं तो यह आराम करने का समय होता है।' कोहली इस 'फंडरेजर' कार्यक्रम के बीच में आए लेकिन स्पष्ट रूप से 'शोस्टॉपर' रहे। उन्होंने शास्त्री के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की जो उस समय मुख्य कोच थे जब कोहली टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर ले गए थे। कोहली ने कहा, 'सच कहूं तो अगर मैं तब उनके साथ नहीं होता तो टेस्ट क्रिकेट में जो हुआ वो मुमकिन नहीं हो पाता। हमारे बीच जो स्पष्टता थी वो ढूंढ पाना बहुत मुश्किल है। क्रिकेटरों के करियर में आगे बढ़ने के लिए यही सब कुछ होता है। '

डोप टेस्ट में विफल होने पर गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन अस्थायी रूप से निलंबित

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने भारतीय गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन कौर को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह जानकारी अस्थायी निलंबन के तहत रखे गए खिलाड़ियों की नवीनतम सूची से मिली है। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। पंजाब की इस खिलाड़ी ने पिछले साल अंतर विश्वविद्यालय खेलों में 14.75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान भी हासिल किया था। इस बीच अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पहलवान नितिका पर चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है जो पिछले साल 28 मई से प्रभावी है।

तीरंदाजी विश्व कप भारतीय महिला कंपाउंड टीम फाइनल में, पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में बाहर

मैड्रिड (भाषा)। कंपाउंड महिला टीम के बुधवार को यहां फाइनल में पहुंचने से तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में भारत का कम से कम एक पदक पक्का हो गया जबकि पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में हार गई। शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और पदार्पण कर रही 16 वर्षीय पृथिका की महिला तिकड़ी ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया को 230-226 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। अब शनिवार को स्वर्ण पदक के लिए उनका सामना 10वीं वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे से होगा। इससे पहले इस तिकड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अल सल्वाडोर को 235-226 से हराया था। हालांकि ऋषभ यादव, प्रथमेश फुगे और अमन सैनी की पुरुष कंपाउंड टीम एक अंक से चूक गई और क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको से 233-234 से हार गई। क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहे भारतीयों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरे राउंड में पिछड़ गए और वापसी नहीं कर सके।

फाइटर पायलट ने शहादत देकर 1200 परिवारों को बचाया: हवा में लहराकर खेतों में गिरा जेट

-बस्ती पर टूटने से रोका मौत का कहर

चूरू। राजस्थान के चूरू ज़िले में बीते बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ, जब भारतीय वायुसेना का जगुआर फाइटर जेट खेतों में क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट और को-पायलट दोनों शहीद हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी आखिरी सांस तक ऐसा कदम उठाया जिससे गांव के 1200 से ज्यादा परिवारों की जान बच गई। अगर पायलट कुछ सेकंड भी देर करते या दिशा बदलने में हिचकिचाते, तो ये फाइटर जेट सीधा गांव की बस्ती पर गिरता और एक बड़ा जनहानि का कारण बनता। राजस्थान के चूरू में 9 जुलाई को भारतीय वायु सेना (INDIAN AIR FORCE) का जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया। हादसे में 2 पायलट शहीद हो गए। शहीद स्क्वॉड्रन लीडर लोकेंद्र सिंह सिंधु (44) हरियाणा के रोहतक और फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज (23) पाली के सुमेरपुर स्थित खिंवादी गांव के रहने वाले थे। दोनों पायलट ने शहीद होकर हमारे गांव के 1200 परिवारों को बचा लिया। दोनों ने आखिरी समय तक अपना फर्ज याद रखा। ये कहना है भानुदा गांव के ग्रामीणों का। इन लोगों ने बुधवार को फाइटर जेट को मलबे में तब्दील होते और दोनों पायलट को दर्जनों टुकड़ों में बंटते देखा। हादसा बुधवार (9 जुलाई) दोपहर 12.40 बजे गांव से 2 किमी दूर सुनसान इलाके में हुआ था। भास्कर ने ग्राउंड जीरो से हादसे को करीब से समझने की कोशिश की।

ऐसा लगा जैसे कोई बम फटा हो

प्लेन क्रैश होने के बाद सबसे पहले मौके पर पहुंचने वाले मनोज प्रजापत बताते हैं- जब हादसा हुआ, मैं गांव में ही था। मैंने देखा एक प्लेन हवा में दाएं–बाएं हो रहा है। हवा में लहराते हुए प्लेन अचानक पेड़ से टकराया। टक्कर के बाद प्लेन 100 मीटर से ज्यादा घिसटता रहा। उसमें आग लग गई। प्लेन के गिरने का धमाका इतना तेज था कि लगा कोई बम फटा हो। गांव में हल्ला मच गया। लोग हादसे वाली जगह पहुंचे। पुलिस और प्रशासन को सूचना दी।

प्लेन जल रहा था, 100 मीटर में शरीर के टुकड़े पड़े थे

प्रत्यक्षदर्शियों में शामिल विजय शर्मा ने बताया कि हम जब मौके पर पहुंचे तो सारा इलाका धुएं के गुबार में था। 100 से 200 मीटर के दायरे में दोनों पायलट के शरीर के टुकड़े पड़े थे। जहां भी नजर जा रही थी, सिर्फ तबाही का मंजर था। प्लेन का मलबा आसपास के 500 मीटर के दायरे में पड़ा हुआ था। आसपास के 20 से 30 किलोमीटर के ग्रामीण हादसे वाली जगह पहुंचे थे। पुलिस और प्रशासन के आने से पहले करीब 1500 ग्रामीण वहां इकट्ठे हो गए थे। सूचना मिलते ही आधे घंटे में पुलिस और प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंच गए थे। एक घंटे में आर्मी भी हादसे वाली जगह पहुंच गई थी। हेलिकॉप्टर, एम्बुलेंस, दमकल समेत कई टीमें पहुंचीं। बुधवार देर रात तक एयरफोर्स आर्मी और पुलिस के जवान मौके पर मलबा इकट्ठा करने और हादसे से जुड़े साक्ष्य जुटाने में व्यस्त रहे थे। आर्मी ने गांव में ही पड़ाव डाला। गांव में लगातार देर रात तक सैन्य वाहनों का आना–जाना लगा रहा।

पास जाकर देखा तो कुछ नहीं बचा था

धमाका सुनकर मौके पर पहुंचे 16 साल के धोनी चारण का कहना है कि हम जब मौके पर पहुंचे तो प्लेन के पहिए में आग लगी देखी। चारों ओर मलबा पड़ा हुआ था। हमने सोचा कि शायद कोई बच गया हो, उसे बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। पास जाकर देखा तो कुछ नहीं बचा था। हर तरफ दोनों पायलट के शरीर के टुकड़े बिखरे हुए थे। जहां प्लेन क्रैश हुआ, वहां घास–फूस, पेड़ पौधे राख में बदल गए थे। हादसे की जानकारी मिलते ही मोमासर, भानूदा, हामुसर, सिकराली, बाडा की ढाणी, पाबूसर, राजलदेसर, बंडवा, बीनादेसर और आस–पास की गांव ढाणियों के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए थे।

अपनी जान देकर गांव वालों को जिंदगी दे गए

भानुदा विदावतान और भानुदा चारनान में करीब 1200 परिवार रहते हैं। जगुआर प्लेन भानुदा चारनान के भानुदा से राजलदेसर जाने वाली सड़क के पास क्रैश हुआ। भानुदा विदावतान के मोहित शर्मा बताते हैं कि दोनों पायलट ने अपनी जान गंवाकर हमारे दोनों गांवों के लोगों को जीवनदान दिया है। अगर प्लेन इन दोनों गांवों पर गिरता तो ज्यादा लोग हताहत होते। दोनों ने आखिरी वक्त तक प्लेन को गांव पर क्रैश नहीं होने दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी गिरा था मिसाइल का टुकड़ा

मोहित और विजय बताते हैं कि मई में ऑपरेशन सिंदूर के समय भी गांव के पास सुनसान जगह पर एक मिसाइल का मलबा गिरा था। इत्तेफाक से जगुआर प्लेन क्रैश वाली जगह से मिसाइल गिरने वाली जगह महज डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर है। मोहित बताते हैं कि उस वक्त रात करीब 12 बजे के आस–पास आसमान से एक जलता हुआ टुकड़ा गिरते देखा। उसके जमीन से टकराते ही जोरदार धमाका हुआ था। सुबह वहां जाकर देखा तो मिसाइल का एक 20–25 फीट लंबा टुकड़ा रेत में धंसा हुआ था। बाद में इसे आर्मी ने डिफ्यूज किया था।

पूरा गांव बना छावनी, रातभर सेना करती रही काम

हादसे के बाद भानुदा गांव की ओर जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया गया। गांव में जाने के लिए लोग हामुसर गांव से होकर करीब 14 किलोमीटर का चक्कर काटकर अपने घर पहुंचे। आर्मी के वाहन भी रातभर आते–जाते रहे। पूरा गांव और उसके आस–पास का एरिया सैन्य छावनी जैसा नजर आ रहा है। एयरफोर्स, आर्मी ने हादसे वाली जगह टेंट लगाकर साक्ष्य जुटाए। रात में भी मलबा तलाशा।

एक शहीद की कुर्बानी, जो हमेशा याद रहेगी

इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। सोशल मीडिया पर पायलट की बहादुरी की चर्चा हो रही है। लोग कह रहे हैं कि उन्होंने आखिरी समय तक देश और नागरिकों की रक्षा के लिए अपनी जान दे दी। गांव के बुजुर्ग हाजी इस्माइल ने कहा, "बेटा, खुद चला गया लेकिन हमारे गांव पर मौत को नहीं आने दिया।" पायलट की बहादुरी पर देश नाज़ कर रहा है। जब देश में लोग अपने घरों में चैन से सो रहे थे, तब सीमा और आकाश में हमारी हिफाज़त करने वाले यह पायलट जाग रहे थे।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर: रोक से इनकार

-आधार-वोटर आईडी-राशन कार्ड को पहचान पत्र मानने का निर्देश

पटना। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच वोटर लिस्ट रिवीजन (मतदाता सूची पुनरीक्षण) पर बड़ी बहस खड़ी हो गई थी। कुछ याचिकाओं में इसे रोकने की मांग की गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन प्रक्रिया जारी रहेगी। अदालत ने चुनाव आयोग से कहा है कि मतदाता पहचान की प्रक्रिया में आधार, वोटर आईडी और राशन कार्ड को भी पहचान पत्र के रूप में मान्यता दी जाए ताकि किसी भी नागरिक का नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से न हटे और लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के रिवीजन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र मानें। अब अगली सुनवाई 28 जुलाई को सुनवाई होगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन पर अदालत में करीब 3 घंटे सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि वोटर लिस्ट रिवीजन नियमों को दरकिनार कर किया जा रहा है। वोटर की नागरिकता जांची जा रही है। ये कानून के खिलाफ है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन में नागरिकता के मुद्दे में क्यों पड़ रहे हैं?अगर आप वोटर लिस्ट में किसी शख्स का नाम सिर्फ देश की नागरिकता साबित होने के आधार पर शामिल करेंगे तो फिर ये बड़ी कसौटी होगी। यह गृह मंत्रालय का काम है। आप उसमें मत जाइए। याचिकाकर्ता के **वकील**: अब जबकि चुनाव कुछ ही महीनों दूर हैं, चुनाव आयोग

कह रहा है कि वह पूरी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) 30 दिनों में करेगा।

सुप्रीम कोर्ट: SIR प्रक्रिया में कोई बुराई नहीं है, लेकिन यह आगामी चुनाव से कई महीने पहले ही कर ली जानी चाहिए थी। भारत में मतदाता बनने के लिए नागरिकता की जांच करना आवश्यक है, जो संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत आता है। चुनाव आयोग जो कर रहा है, वह संविधान के तहत अनिवार्य है और इस तरह की पिछली प्रक्रिया 2003 में की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट: SIR के दौरान दस्तावेजों की सूची से आधार कार्ड को बाहर रखा जा रहा है।

चुनाव आयोग: वोटर रिवीजन के दौरान सिर्फ आधार ही नहीं मांगा जा रहा, अन्य दस्तावेज भी मांग रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अगली सुनवाई 28 जुलाई को

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा दिलाया कि किसी भी वोटर को वोटर लिस्ट से बाहर नहीं किया जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन जारी रहेगी

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट रिवीजन की प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा है कि रिवीजन की प्रक्रिया में आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को भी पहचान पत्र माना जाए। अभी ये दस्तावेज चुनाव आयोग स्वीकार नहीं कर रहा था।

SC बोला- समस्या प्रकिया में नहीं, टाइमिंग में है

सुनवाई के दौरान जस्टिस धूलिया ने कहा, ' समस्या आपकी प्रक्रिया में नहीं है। समस्या आपके टाइमिंग की है। क्योंकि जिन लोगों को सूची से हटाया जा सकता है, उनके पास इसके अपील करने का समय नहीं होगा।

चुनाव आयोग बोला- बिना सुनवाई किसी का नाम नहीं कटेगा

सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा दिलाया कि सुनवाई का मौका दिए बिना किसी को भी मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा।

कोर्ट ने चुनाव आयोग से तीन मुद्दों पर जवाब मांगा

1.क्या उसके पास मतदाता सूची में संशोधन करने का अधिकार है। 2. इसके लिए क्या प्रक्रिया अपनाई गई। 3. इसमें कितना समय लगेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि समय बीतने के साथ, मतदाताओं के नाम शामिल करने या बाहर करने पर विचार करने के लिए मतदाता सूची को संशोधित करने की जरूरत होती है। राकेश द्विवेदी ने पूछा अगर चुनाव आयोग के पास मतदाता सूची में संशोधन करने का अधिकार नहीं है, तो यह कौन करेगा?

EC ने कहा- सिर्फ आधार से नागरिकता साबित नहीं होती

सुप्रीम कोर्ट- आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में मान्यता क्यों नहीं दे रहे हैं EC के वकील- सिर्फ आधार कार्ड से नागरिकता साबित नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट- अगर आप वोटर लिस्ट में किसी शख्स का नाम सिर्फ देश की नागरिकता साबित होने के आधार पर शामिल करेंगे तो फिर ये बड़ी कसौटी होगी। यह गृह मंत्रालय का काम है। आप उसमे मत जाइए। उसकी अपनी एक न्यायिक प्रक्रिया है। EC के वकील-- आरपी एक्ट में भी नागरिकता का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट- आपको अगर यह करना है तो फिर इतनी देरी क्यों की। यह चुनाव से ठीक पहले नहीं होना चाहिए।

याचिकाकर्ता के वकील ने ये 3 सवाल उठाए

1. चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने के लिए 11 दस्तावेज स्वीकार किए जा रहे हैं, लेकिन आधार कार्ड और वोटर ID जैसे अहम पहचान पत्रों को मान्यता नहीं दी जा रही है।

2. आयोग की प्रक्रिया स्पष्ट और समान नहीं है। अगर कोई व्यक्ति 2003 की वोटर लिस्ट में शामिल है तो उसे अभिभावकों के दस्तावेज या नागरिकता से जुड़े प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति उस लिस्ट में नहीं है तो उसे नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज जमा करने होंगे।

3. अगर चुनाव आयोग जिस प्रक्रिया को चला रहा है वो सघन पुनरीक्षण (Intensive Revision) है तो नियम के अनुसार अधिकारियों को हर घर जाकर वोटर की जानकारी जुटानी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

मलेशिया में बड़ा हादसा: टेक ऑफ के कुछ मिनट बाद पुलिस का हेलिकॉप्टर नदी में गिरा

-5 क्रू मेंबर सुरक्षित बचाए गए

कुआलालंपुर, मलेशिया। मलेशिया के जोहोर राज्य में पुलिस हेलिकॉप्टर आपात लैंडिंग के दौरान सीधे नदी में जा गिरा। यह हादसा सुंगाई पुलाई इलाके में हुआ। मलेशिया में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब पुलिस का एक हेलिकॉप्टर टेक ऑफ के कुछ ही मिनट बाद अचानक तकनीकी खराबी आने के कारण सीधे नदी में गिर गया। हादसे के बाद हेलिकॉप्टर का वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि किस तरह हेलिकॉप्टर पानी में गिरते ही हिलने लगता है और कुछ ही सेकंड में पूरी तरह से डूबने लगता है। इस हेलिकॉप्टर में 5 क्रू मेंबर सवार थे, जिन्हें रेस्क्यू टीम ने समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में किसी की जान नहीं गई, लेकिन सभी को हल्की चोटें आई हैं। उस वक्त हेलिकॉप्टर नियमित सैन्य अभ्यास (MITSATOM 2025) में शामिल था। हेलिकॉप्टर में सवार पांचों क्रू मेंबर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी घायल अफसरों को जोहोर बारू के सुल्ताना अमीना अस्पताल में भर्ती कराया गया। मलेशिया की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने कहा है कि हादसे की जांच एयर एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो करेगा।

टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद गिरा हेलिकॉप्टर

मलेशिया के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (CAAM) के मुताबिक, हेलिकॉप्टर ने सुबह 9:51 बजे तंजुंग कुपांग पुलिस स्टेशन से उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही मिनटों में तकनीकी गड़बड़ी के कारण इसे आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। यह लैंडिंग नदी में जाकर हुई। नदी में गिरने के तुरंत बाद समुद्री पुलिस बल (Marine Police Force) ने सभी पांचों क्रू मेंबर्स को बचाया और उन्हें पास के मलेशियाई समुद्री प्रवर्तन एजेंसी (MMEA) जेटी पर लाया गया। इसके बाद सभी को इलाज के लिए भेजा गया। इस हादसे में कोई जान नहीं गई, लेकिन मलेशियाई नागरिक उड्डयन नियामक ने इसे गंभीर विमानन घटना मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

हादसे में गिरा हेलिकॉप्टर 30 साल पुराना था

हादसे का शिकार हुआ हेलिकॉप्टर फ्रांस में निर्मित Airbus AS355N मॉडल था। यह एक लाइट यूटिलिटी सिंगल-रोटर हेलिकॉप्टर है। इसका प्रोडक्शन 1975 से 2016 तक हुआ था और इसका उपयोग दुनियाभर में सुरक्षा बलों, प्राइवेट चार्टर और कॉर्पोरेट सेवाओं द्वारा किया जाता है। मलेशियाई पुलिस को यह हेलिकॉप्टर 1996 में डिलीवर किया गया था। 2023 के नवंबर में इन्हें बदलने के लिए नए टेंडर बुलाए थे। हादसे से यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या पुराने एयरक्राफ्ट की सेवा अवधि खत्म हो चुकी है और क्या भविष्य में ऐसे और हादसे रोके जा सकते हैं।

अप्रैल में अमेरिका में दो टुकड़ों में बंट गया था हेलिकॉप्टर

इस साल अप्रैल में अमेरिका के न्यूयॉर्क में गुरुवार को एक हेलिकॉप्टर हडसन नदी में क्रैश हो गया था। हादसे में हेलिकॉप्टर में बैठे सभी 6 लोगों की मौत हो गई थी।

मरने वालों में इंजीनियरिंग कंपनी सीमेंस के CEO ऑगस्टिन एस्कोबार, उनकी पत्नी मर्स कैंपरुबी और उनके तीन बच्चे शामिल थे। बच्चों की उम्र 4, 5 और 11 साल थी। ये परिवार स्पेन का रहने वाला था।

उड़ान भरने के 15 मिनट में क्रैश हुआ हेलिकॉप्टर

स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर 3 बजे हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी और हडसन नदी के ऊपर से गुजरा। जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज पहुंचने के बाद हेलिकॉप्टर नीचे की तरफ गिरने लगा और 3.15 बजे लोवर मैनहैटन इलाके में हडसन नदी में क्रैश हो गया। इस हादसे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। इनमें देखा जा सकता है कि क्रैश से पहले विमान की टेल और रोटर अलग हो गए। इसके बाद हेलिकॉप्टर हवा में लहराते हुए नदी में गिर जाता है।

कनाडा की कंपनी बनाती है बेल 206 हेलिकॉप्टर

बेल 206 ट्विन ब्लेड वाले हेलिकॉप्टरों की सीरीज है, जो सिंगल इंजन और ट्विन इंजन दोनों वेरिएंट में उपलब्ध है। इसे बेल हेलिकॉप्टर कंपनी कनाडा के क्यूबेक के मिराबेल में बनाती है। बेल 206L मॉडल में छह लोगों के बैठने की क्षमता होती है। यह हेलिकॉप्टर आग बुझाने और प्रबंधन से जुड़े कई कार्यों के लिए भी इस्तेमाल होता है।

ट्रम्प बोले- हादसे का वीडियो बहुत भयावह

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में हेलिकॉप्टर दुर्घटना पर दुख जताया। उन्होंने लिखा- हडसन नदी में भयानक हेलिकॉप्टर हादसा हुआ है। ऐसा लगता है कि छह लोग- पायलट, दो वयस्क और तीन बच्चे- अब हमारे बीच नहीं हैं। हादसे का वीडियो बहुत भयावह है। विक्टिम्स की फैमिली और दोस्तों को भगवान सहनशक्ति दें। सेक्रेटरी ऑफ ट्रांसपोर्टेशन शॉन डफी और उनकी टीम इस मामले को देख रही है।

गाजा की भूख: कब्रिस्तान में रह रहे लोग, 8 दिन से बिना खाना खाए बच्चों को मरते देख रहे

गाजा। गाजा पट्टी में युद्ध और बमबारी की वजह से हज़ारों लोग अपने घर खो चुके हैं। हालात इतने खराब हैं कि बहुत से परिवार अब कब्रिस्तान में रहकर अपनी रातें गुजारने पर मजबूर हो गए हैं। आठ दिनों से ज़्यादा का वक्त बीत चुका है, इन लोगों ने ठीक से खाना नहीं खाया। बच्चों की भूख से तड़पती चीखें रोज़ सुनाई देती हैं, लेकिन उनके पास कुछ भी नहीं है जो इन्हें खिलाया जा सके। एक मैदान में सफेद कपड़े से बने छोटे-छोटे कई टेंट हैं। टेंट में भूख से बिलखते बच्चे हैं और पानी तक के लिए तरसते लोग। आसपास ऊंची-ऊंची बिल्डिंग हैं, लेकिन सब तबाह हो चुकी हैं। ये जगह 20 महीने से इजराइल की बमबारी झेल रही गाजा पट्टी के साउथ में है। यहीं बना एक टेंट अब घालया अबू जारद का घर है। इजराइल के हमले से पहले घालया नॉर्थ गाजा के बेत लाहया में रहती थीं। अच्छी जिंदगी चल रही थी, तभी हमास के अटैक के बाद इजराइल ने गाजा पर बमबारी शुरू कर दी। घालया परिवार के साथ जान बचाकर साउथ गाजा आ गईं। जान तो बच गई, लेकिन जिंदगी जहन्नुम से भी बदतर हो गई। घालया के 4 बच्चे हैं। सबसे छोटा सिर्फ 2 महीने का है। घालया कहती हैं, '8 दिन हो गए, कुछ नहीं खाया। फल तो आखिरी बार कब देखे थे, याद ही नहीं है। बच्चे भूख से मर रहे हैं।' घालया की तरह गाजा के 4.7 लाख लोग भुखमरी झेल रहे हैं। ये कुल आबादी का 20% है। फिलिस्तीन हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, 7 अक्टूबर 2023 से चल रही इस जंग में 57,575 लोग मारे गए। 1.37 लाख घायल हैं। यूनाइटेड नेशंस ने आशंका जताई है कि गाजा में मरने वालों की तादाद ज्यादा हो सकती है, क्योंकि कई लाशें मलबे में दबी हैं। 90% आबादी घर छोड़कर रिलीफ कैंप में रह रही है। ऐसे भी लोग हैं जो कैंप में जगह न मिलने से सड़कों पर या कब्रिस्तान में रह रहे हैं। इजराइली ऑपरेशन की वजह से गाजा में बाहरी मीडिया को जाने

की परमिशन नहीं है। ईरान से जंग के दौरान इजराइल में कवरेज करते हुए हम गाजा में दाखिल नहीं हो पाए। हमने गाजा के जर्नलिस्ट आमरे अल सुल्तान से बात की। उनके जरिए हम आपको गाजा का हाल बता रहे हैं।

गाजा में न बिजली, न मोबाइल नेटवर्क

गाजा में बिजली सप्लाई बंद होने से फोन और कैमरा चार्ज करने में दिक्कत आ रही है। मोबाइल नेटवर्क भी बीच-बीच में काम करना बंद कर देता है। ऐसे में वहां जर्नलिस्ट से कॉन्टैक्ट कर पाना भी मुश्किल है। 11 अक्टूबर, 2023 को इजराइल ने नॉर्थ गाजा में रहने वाले 11 लाख लोगों को 24 घंटे में साउथ गाजा की तरफ जाने के लिए कह दिया था। नॉर्थ गाजा अब खाली हो चुका है। यहां के लोग अपने देश में ही शरणार्थी हो गए। वे रिफ्यूजी कैंप में रहते हैं। इसे भी बार-बार छोड़ना पड़ता है। नॉर्थ गाजा के बाद साउथ गाजा के खान यूनिस और राफाह को भी असुरक्षित बता दिया गया। लोगों को गाजा के समुद्री छोर पर बसे अल-मवासी में शिफ्ट होने के लिए कह दिया गया। गाजा में हमारे सहयोगी आमरे अल सुल्तान ने साउथ गाजा के रिफ्यूजी कैंप में और रिलीफ सेंटर के आसपास रहने वाले लोगों से बात की। पढ़िए ऐसे चार लोगों की कहानियां, जो जंग के 20 महीनों के गवाह हैं।

हिशाम खालिद अल-मुगराबी की आपबीती

इजराइल ने गाजा पर हमला किया, तब मैं परिवार के साथ गाजा सिटी में रहता था। घर में पत्नी थी, बच्चे थे। सब ठीक चल रहा था। तभी इजराइल ने युद्ध शुरू कर दिया। इजराइली बमों ने आसपास के घरों को मलबे में बदल दिया। उनसे लाशें निकल रही थीं। इजराइल की सेना बुलडोजर लेकर आई और उसी जगह लाशों को दबा दिया। शुरुआत में तो हमने घर नहीं छोड़ा, लेकिन बमबारी तेज होने लगी, तो आखिर घर छोड़ना पड़ा। हम पैदल साउथ गाजा के डेर-अल-बलाह आ गए। कोई गाड़ी नहीं चल रही थी। सिर्फ खच्चर गाड़ी मिल रही थी। वो भी सिर्फ कुछ लोगों को ही नसीब हुई। घर छोड़ने के बाद जिंदगी बहुत मुश्किल हो गई। पिछले साल 28 अगस्त को मेरे बच्चे की मौत हो गई। हम बचने के लिए घर से भागे थे, लेकिन इजराइल की बमबारी ने मेरे बेटे को छीन लिया। हमारे पास रहने के लिए जगह नहीं है। मैं परिवार के साथ कब्रिस्तान में रह रहा हूं। यहां आसपास कुत्ते घूमते हैं। सांप निकलते हैं। जहन्नुम से भी खराब हालात हैं।

घालया अबू जारद की आपबीती

मैं 4 बच्चों की मां हूं। छोटा बच्चा सिर्फ 2 महीने का है। 8 दिन से हमने कुछ नहीं खाया है। हमारे पास पहनने के लिए कपड़े नहीं हैं। एक जोड़ी कपड़े लेकर घर छोड़ा था। वे भी फट गए। कपड़े धोने के लिए पानी नहीं है। पानी इतना महंगा है कि एक घूंट पीने के लिए भी सोचना पड़ रहा है।

भारतीय मूल के सबीह खान बने एपल के COO: पिचाई-नडेला जैसी लिस्ट में शामिल

-टिम कुक बोले- बेहतरीन स्ट्रैटजिस्ट

वॉशिंगटन,(एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक एपल (Apple) ने भारतीय मूल के सबीह खान को नया चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (COO) नियुक्त किया है। सबीह खान अब उन भारतीय लीडर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनियों में शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाली है। इस लिस्ट में सुंदर पिचाई (Google), सत्या नडेला (Microsoft), अरविंद कृष्णा (IBM) और संजय मेहरोत्रा (Micron) जैसे नाम पहले से शामिल हैं। एपल ने भारतीय मूल के सबीह खान को कंपनी का नया चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (COO) बनाया है। वो इस महीने के अंत में जेफ विलियम्स की जगह लेंगे। जेफ 2015 से इस पद पर हैं। सबीह ने मुरादाबाद जैसे छोटे शहर से निकलकर टेक्नोलॉजी की दुनिया में ये मुकाम हासिल किया है। 2019 में वो एपल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ऑफ ऑपरेशंस बने थे। सबीह खान गूगल के CEO सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के CEO सत्या नडेला जैसे भारतीय मूल के उन ग्लोबल लीडर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

ग्लोबल सप्लाई चेन को मैनेज करते हैं सबीह

सबीह खान एपल की ग्लोबल सप्लाई चेन को मैनेज करते हैं। इसका मतलब है कि वो प्रोडक्ट की क्वालिटी, प्लानिंग, खरीद, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और प्रोडक्ट डिलीवरी जैसे कामों की जिम्मेदारी संभालते हैं। वो एपल के सप्लायर रिस्पॉन्सिबिलिटी प्रोग्राम्स को भी लीड करते हैं। सबीह की अगुआई में कंपनी का कार्बन फुटप्रिंट भी 60% से ज्यादा कम हुआ है। यानी एपल ने अपने प्रोडक्शन और ऑपरेशंस से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को काफी हद तक घटाया है।

टिम कुक बोले- सबीह एक शानदार स्ट्रैटजिस्ट

एपल के CEO टिम कुक ने कहा, "सबीह एक शानदार स्ट्रैटजिस्ट हैं, जिन्होंने एपल की सप्लाई चेन को बनाने में अहम रोल निभाया है। वो दिल से लीडरशिप करते हैं और अपने मूल्यों के साथ काम करते हैं। मुझे यकीन है कि वो एक बेहतरीन COO साबित होंगे।"

सबीह का परिवार सिंगापुर चला गया था

सबीह खान का जन्म 1966 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में हुआ था। जब वो पांचवीं कक्षा में थे, तब उनका परिवार सिंगापुर चला गया। वहां से उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। बाद में अमेरिका चले गए। सबीह ने टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने रेनसेलर पॉलिटेक्निक इंस्टिट्यूट (RPI) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री भी ली। सबीह खान 1995 में जीई प्लास्टिक्स में एप्लिकेशन डेवलपमेंट इंजीनियर के रूप में काम करने के बाद एपल की प्रोक्योरमेंट टीम में शामिल हुए थे। शुरुआत में वो कंपनी के प्रोक्योरमेंट ग्रुप में शामिल हुए। पिछले 30 सालों में उन्होंने एपल के कई अहम रोल निभाए और कंपनी की ग्लोबल सप्लाई चेन को मजबूत करने में बड़ा योगदान दिया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,